mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-338 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
09 दिसंबर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा :

मोदी बोले- वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात हुआ, नेहरू बोले- इससे मुस्लिम भड़क सकते हैं

इसके बाद कांग्रेस ने वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, वंदे मातरम् अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था। उन्हें यह गीत नेशनल एंथन के रूप में दिखता था।पीएम ने कहा, उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। पिछली सदी में इसके साथ इतना अन्याय क्यों हुआ। वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा कुछ पुज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। बजाय इसके कि नेहरू मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को करारा जबाब देते, उसकी निंदा करते, लेकिन उल्टा हुआ। उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

बंकिम चंद्र ने 1875 में लिखा था, आनंदमठ में छपा था

भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के पावन अवसर पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम् गाया। यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम थीं।

कांग्रेस बोली- पीएम कभी नेहरू पर दाग नहीं लगा पाएंगे

उनके भाषण से लगा, उनके राजनीतिक पूर्वज अंग्रेजों से लड़े; अखिलेश बोले- ये दरारवादी लोग

इस पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा- पीएम के भाषण के दो मकसद थे। पहला ये उनकी बातों से लगा कि उनके राजनीतिक पूर्वज खुद ब्रिटिश के खिलाफ लड़े थे। दूसरा ये कि एक चर्चा को राजनीतिक रंग देने का, जब जब मोदी किसी विषय पर बोलते हैं, नेहरू का नाम बार-बार बोलते हैं।

गोगोई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में उन्होंने 50 बार कांग्रेस और 14 बार नेहरू का नाम लिया, लेकिन पीएम कितनी भी कोशिश कर लें, नेहरू के योगदान पर एक भी काला दाग नहीं लगा पाएंगे। पीएम के भाषण में इतिहास को फिर से लिखने की मंशा उनके भाषण में दिखाई थी। मोदी ने आज के भाषण में भी नेहरू का नाम 7 बार लिया। इसके बाद सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने स्पीच दी। उन्होंने कहा, जिस वंदे मातरम् ने आजादी के आंदोलन को जोड़ा, आज के दरारवादी लोग उसी से देश को तोड़ना चाहते हैं। वंदे मातरम् गाने के लिए नहीं,बल्कि निभाने के लिए है।

गोगोई बोले- न हमारा वोट सुरक्षित, न वोटर-गौरव गोगोई ने कहा कि आज भी हमारा वोट सुरक्षित नहीं है, न वोटर सुरक्षित है।ऑनलाइन कॉमर्स आने के बाद मध्यम वर्ग का व्यापारी परेशान है। लेकिन ये सरकार चर्चा से डरती है।

इंडिगो संकट- 7वें दिन भी 250+ फ्लाइट कैंसिल

सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार, कहा- हम एयरलाइन नहीं चला सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ान सेवाएं सोमवार को भी पटरी पर नहीं लौट सकीं हैं। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद एयरपोर्ट से अब तक 250 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले भी एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी थीं। हालांकि कंपनी ने 2,300 डेली फ्लाइट्स में से 1,650 संचालित करने का दावा किया है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा- हालात रोज बेहतर हो रहे हैं। 10 दिसंबर तक ऑपरेशन नॉर्मल होने की उम्मीद है। पहले कंपनी ने 10 से 15 दिसंबर तक सामान्य होने की बात कही थी। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने इंडिगो के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। CJI सूर्यकांत ने कहा कि भारत सरकार पहले ही इस मुद्दे पर एक्शन ले चुकी है। मामल की सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

संसद में गूंजा इंडिगो संकट का मुद्दा, कांग्रेस सांसद ने सरकार से मांगा जवाब

संसद के शीतकालीन सत्र में आज इंडिगो परिचालन संकट का मुद्दा उठाया गया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इंडिगो परिचालन में आए व्यवधान के कारण यात्रियों को हो रही परेशानी का उल्लेख करते हुए कहा, सरकार को संसद के पटल से ये बताना चाहिए कि संकट का समाधान करने की दिशा में सरकार क्या कदम उठा रही है। गौरव गोगोई ने प्रश्नकाल समाप्त होने के ठीक बाद इंडिगो का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि विमानन मंत्रालय इस संकट से निपटने के लिए क्या उपाय कर रहा है? गोगोई को स्पीकर ओम बिरला ने आश्वस्त किया कि केंद्रीय नागर विमानन मंत्री सदन में आकर इस पर जवाब देंगे। आज वे लोकसभा में मौजूद नहीं हैं।

कंपनी का दावा- पायलट पर्याप्त, बफर कम

इंडिगो ने कहा- मौजूदा संकट की वजह जानने के लिए 'रूट कॉज एनालिसिस' होगा। एक अधिकारी ने बताया, नई एफडीटीएल व्यवस्था लागू होने के चलते क्रू प्लानिंग में बफर की कमी संकट का प्रमुख कारण रही। हमारे पास पायलटों की कमी नहीं। बस अन्य एयरलाइनों जितना 'बफर' स्टाफ नहीं था। संसद की परिवहन, पर्यटन और संस्कृति मामलों की समिति भी इंडिगो और डीजीसीए के अधिकारियों को तलब कर सकती है।

डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ को 24 घंटे और दिए

डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ और अकाउंटेबल मैनेजर को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 24 घंटे और दे दिए। दोनों सोमवार शाम तक जवाब दे सकेंगे। कंपनी प्रबंधन ने समय बढ़ाने का आग्रह किया था। इसके अलावा, इंडिगो ने हालिया उड़ान संकट के दौरान 610 करोड़ के रिफंड प्रोसेस किए हैं। इसके साथ ही 3,000 यात्रियों का बैगेज वापस पहुंचा दिया है।

दिल्ली ब्लास्ट-अल फलाह यूनिवर्सिटी में फैकल्टी की कमी

बदनामी के बाद 10 प्रोफेसरों ने जॉब छोड़ी

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल का सेंटर पॉइंट बनी फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी इन दिनों फैकल्टी की कमी का सामना कर रही है। इसके चलते MBBS फर्स्ट ईयर के छात्रों को एक सप्ताह की लीव पर घर भेजा जा रहा है। यूनिवर्सिटी के अंदर आतंकी नेटवर्क खड़ा कर रहे लेडी आतंकी डॉ. शाहीन सईद और डॉ. मुजम्मिल शकील के गिरफ्तार होने के बाद से लगातार स्टाफ यहां से जॉब छोड़कर जा रहा है।

वहीं, यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों का शिकंजा कसता जा रहा है। यूनिवर्सिटी सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही यूनिवर्सिटी सेटल नहीं हो पा रही है। अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद सिद्दीकी और डॉक्टरों की गिरफ्तारी ने यहां प्रोफेसरों के अंदर डर बैठा दिया है।

अर्धकुंभ विवाद पर स्वामी आनंद स्वरूप बोले- अखाड़े कुंभ की शोभा

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार में 2027 के अर्धकुंभ से पहले संतों और अखाड़ों के बीच छिड़ी खींचतान पर काली सेना प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने बड़ा बयान दिया है।

स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा कि कुंभ सदियों से राजा-महाराजाओं के संरक्षण में भव्य रूप से होता आया है।

अखाड़े और संत ही कुंभ की असली शोभा हैं। सरकार अगर भव्य आयोजन चाहती है तो सभी को उसमें बढ़-चढ़कर शामिल होना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर विवाद करना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है ।

शिमला संजौली मस्जिद विवाद: मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी नक्शा पास कराएगी

हाशमी बोले-1915 से चल रही मस्जिद, रेवेन्यू रिकॉर्ड में भी जिक्र

शिमला, एजेंसी। हिमाचल की राजधानी शिमला में संजौली मस्जिद विवाद फिर तूल पकड़ रहा है। मस्जिद को संरक्षित रखने के लिए ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी आगे आई है। इस सोसायटी के अध्यक्ष नजाकत अली हाशमी ने शिमला में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- नए सिरे से नगर निगम (MC) कमिश्नर से मस्जिद का नक्शा पास करवाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नजाकत अली ने रेवेन्यू रिकॉर्ड दिखाते हुए कहा- 1915 में खसरा नंबर 107 पर मस्जिद थी। इसके बाद 1997-1998 के रिकॉर्ड में भी संजौली में मस्जिद थी। इसलिए मस्जिद अवैध नहीं है। रेवेन्यू रिकार्ड में गैर मुमकिन मस्जिद एंटर है। साल 2013 में मस्जिद कमेटी ने MC को मस्जिद का नक्शा पास कराने को दिया। मगर उन्होंने कहीं भी कोई ऑब्जेक्शन नहीं लगाया। MC एक्ट के अनुसार, अगर 90 दिन के भीतर कोई ऑब्जेक्शन नहीं लगता तो नक्शा डीम्ड अप्रूव माना जाता है। बेशक, ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी ने मस्जिद पर मालिकाना हक का दावा कर रहा है।

AI फोटो

थाईलैंड ने कंबोडिया पर एयरस्ट्राइक की

● ट्रंप ने दो महीने पहले ही सीजफायर कराया था ● दोनों देशों में शिव मंदिर को लेकर लड़ाई

बैंकॉक/नोम पेन्ह, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक थाईलैंड ने सोमवार सुबह सु-16 फाइटर जेट से कंबोडिया में एक कैसीनों पर एयरस्ट्राइक की।

थाई सेना का आरोप है कि यह कैसीनो असल में कंबोडियाई सैनिकों का बेस बन चुका था, जहां भारी हथियारों और ड्रोन रखे जा रहे थे। इसके अलावा कंबोडिया अपनी सेना को नई जगहों पर तैनात कर रहा था। इसी वजह से उसे हवाई हमला करना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों सेनाओं की गोलीबारी में अब तक थाईलैंड का एक सैनिक मारा गया है और आठ सैनिक घायल हैं।

थाईलैंड-कंबोडिया के बीच मई में पांच दिन तक लड़ाई चली थी, जिसमें 30 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके बाद अक्टूबर में दोनों देशों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मौजूदगी में शांति समझौता किया था।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच लंबे समय से प्रीह विहियर और ता मुएन थॉम जैसे प्राचीन मंदिरों को लेकर सीमा विवाद है। ये मंदिर दोनों देशों की सीमा के बिल्कुल पास स्थित हैं, और आसपास की जमीन पर दोनों देश अपना-अपना दावा करते हैं।

कंबोडिया बोला- थाई सेना उकसावे वाली हरकत कर रही

कंबोडिया ने थाईलैंड के आरोपों को झूठा बताया है। उसका कहना है कि उसने कोई हमला नहीं किया और वह सभी मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाना चाहता है। लेकिन थाई सेना कई दिनों से उकसाने वाली हरकतें कर रही है। इस लड़ाई की वजह से बॉर्डर के पास रहने वाले थाईलैंड के बहुत से लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। थाई सरकार का कहना है कि उसने लगभग 70% नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया है। इस दौरान एक नागरिक की मौत भी हुई, लेकिन सरकार का कहना है कि उसकी मौत बीमारी की वजह से हुई है।

एसआईआर प्रक्रिया: तमिलनाडु में 84 लाख वोटर्स के फॉर्म जमा नहीं, कट सकता है नाम

बंगाल में ये संख्या 54 लाख से ज्यादा; 11 दिसंबर लास्ट डेट

कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के फॉर्म 11 दिसंबर तक जमा होंगे। इसी बीच तमिलनाडु में अब तक मिले डेटा से पता चलता है कि मसौदा मतदाता सूची से 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कट सकते हैं। राज्य में अब तक 84.91 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म अनकलेक्टेबल श्रेणी में हैं। यानी इन फॉर्म को अलग-अलग कारणों से इकट्ठा नहीं किया सकता है। इसमें अधूरी जानकारी होना, 2003 की लिस्ट में नाम न मिलना, वोटर की मौत या शिफ्ट हो जाना प्रमुख कारण हैं।

वहीं बंगाल में शुक्रवार तक अनकलेक्टेबल एन्यूमरेशन फॉर्म की संख्या 54.59 लाख थी। यानी इनके नाम वोटर्स लिस्ट से कटने की आशंका है। जबकि केरल में जिन वोटरों का पता नहीं चल रहा है, जो मर चुके हैं या स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। उनकी संख्या बढ़कर 20 लाख से ज्यादा हो गई है। दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा।

गोवा क्लब अग्निकांड: पांचवीं गिरफ्तारी, दिल्ली से ऑपरेशन मैनेजर पकड़ा गया

पणजी, एजेंसी। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से हुई 25 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने क्लब चेन पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। गोवा पुलिस ने क्लब के मालिकों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। आरोप है कि बिना जरूरी दस्तावेजों और लाइसेंस के क्लब चलाया जा रहे था। इधर सोमवार को मामले में पांचवी गिरफ्तारी की गई। दिल्ली से क्लब के ऑपरेशन मैनेजर भरत सिंह को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले पुलिस ने क्लब के चीफ जनरल मैनेजर राजीव मोडक, जनरल मैनेजर विवेक सिंह, बार मैनेजर राजीव सिंघानिया, गेट मैनेजर रियान्शु ठाकुर को गिरफ्तार किया था। सभी गिरफ्तार आरोपियों को 6 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है। ह्यूरूप्रमोद सावंत ने कहा है कि शुरुआती जांच में इलेक्ट्रिक पटाखे से आग लगने की बात सामने आई है।

दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे में होगा पूरा

● रियल एस्टेट कारोबार में 40प्रतिशत तक होगा उछाल ● ट्रैफिक जाम और प्रदूषण में इजाफा

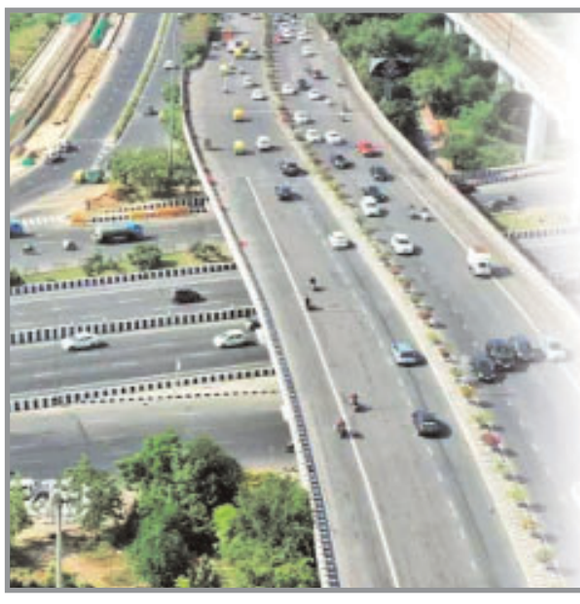

देहरादून, एजेंसी। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का लंबे समय से इंतजार कर रहे लोगों के लिए 1 दिसंबर एक अहम तारीख साबित हुई है। 210 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का पहले ही ट्रायल रन शुरू हो चुका है और अभी फिलहाल दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से बागपत (खेकड़ा के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे जंक्शन) तक का 32 किलोमीटर हिस्सा वाहनों के लिए खोल दिया गया है। इस हिस्से में बिना टोल शुल्क के 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा संभव है उधर, बागपत से सहारनपुर तक निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन कई हिस्सों में काम अभी भी अधूरा है। निर्माण एजेंसियों के अनुसार, सहारनपुर क्षेत्र में बचा हुआ काम दिसंबर 2025 के अंत तक पूरा हो जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि फरवरी 2026 तक पूरा कॉरिडोर जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

पूरी तरह शुरू होने पर यह 6 लेन एक्सप्रेसवे दिल्ली-देहरादून यात्रा समय को मौजूदा 6 से साढ़े 6 घंटे से घटाकर केवल ढाई घंटे कर देगा। इस परियोजना की विशेष बात यह है कि राजाजी नेशनल पार्क के ऊपर 12 किमी का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया गया है, जिसमें वन्यजीव पास और सोलर पैनल भी शामिल हैं। देहरादून पर एक्सप्रेस-वे का क्या पड़ेगा असर?

2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है तापमान :रफ्तार और विकास की इस उम्मीद के साथ कई चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं। इस एक्सप्रेस-वे के पूरी तरह खुल जाने के बाद देहरादून पर इसका क्या असर पड़ेगा। इसको लेकर कई लोगों से बातचीत की। पर्यावरणविद् और प्रोफेसर एसपी सती ने इस एक्सप्रेसवे को लेकर गंभीर पर्यावरणीय खतरे जताए हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हुई है, क्योंकि एक्सप्रेसवे राजाजी नेशनल पार्क के मध्य से होकर गुजरता है।

एसपी सती के मुताबिक, चौड़ी सड़कों का काला डामर सूरज की गर्मी को अधिक अवशोषित करता है, जिससे आस-पास के क्षेत्रों में तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इसके साथ ही कई लेन वाले इस एक्सप्रेसवे से भविष्य में ट्रैफिक का दबाव बढ़ेगा और पेट्रोलियम पदार्थों के दहन से ब्लैक कार्बन उत्सर्जन भी अधिक होगा।

हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में ताज़ा बर्फबारी

शिमला में खिली धूप, एक हते तक मौसम रहेगा साफ

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों विशेषकर लाहौल-स्पीति और किन्नौर के पर्वतीय दर्रों में बीती रात और आज सुबह ताज़ा बर्फबारी हुई है। इससे इन इलाकों में ठंड का प्रकोप और बढ़ गया है। विश्व-विख्यात रोहतांग दर्रा सफेद चादर में लिपटा दिखाई दिया, जहां अभी भी हल्की बर्फबारी का दौर जारी है।

मनाली शहर, सोलंग घाटी और आसपास के गांवों में आसमान में हल्के बादल छाए रहे, जबकि पर्यटक सीजन की पहली बर्फबारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शिमला और मनाली में इस मौसम की पहली बड़ी बर्फबारी अब भी प्रतीक्षा में है। हालांकि परंपरागत रूप से शिमला में दिसंबर के दूसरे-तीसरे सप्ताह में बर्फ गिरती है। शिमला सहित मैदानी जिलों के अनेक स्थानों में आज सुबह धूप खिली जिसने लोगों को कड़ाके की ठंड के बीच थोड़ी राहत दी, जबकि बीती रात कुछ जगहों पर तेज़ हवाएँ चलीं।

प्रदेश में पिछले लगभग एक महीने से सूखा पड़ा है, जिससे कृषि और जलस्रोतों पर असर पड़ा है। ऊंचे इलाकों में तापमान के शून्य के नीचे पहुंचने से प्राकृतिक जलस्त्रोत, नालों और झरनों में पानी जम गया है। सबसे कम तापमान लाहौल स्पीति जिला के कुकुमसेरी में -6.2 डिग्री सेल्सियस और ताबो में -1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इनके बाद सबसे ठंडे स्थानों में कल्पा 2.6, सोलन 3.7, नारकण्डा 3.7, रिकांगपिओ 3.5, सराहन 4.1 और बरठी में 4.8 डिग्री सेल्सियस रहे। अन्य प्रमुख शहरों में शिमला 9.5, मनाली 6.7, कुल्लू-भुंतर 6.5, धर्मशाला 6.8, मंडी 7.1, बिलासपुर 7.7, हमीरपुर 5.7, ऊना 5.4, सुंदरनगर 5.7, पांवटा साहिब 9.0, जुब्बलहट्टी 9.8, नाहन 9.8, पालमपुर 7.0, कांगड़ा 7.0, देहरा गोपिपुर 6.0, भरमौर 7.8, बाजौरा 6.6, कुफ़री में 6.4, नेरी में 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए।

मैदानी जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है और सुबह-शाम कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने अगले दो दिनों यानी 9 और 10 दिसंबर के लिए बिलासपुर और मंडी में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते यातायात में बाधा और दृश्यता कम होने की संभावना जताई गई है। वहीं, पूरे प्रदेश में 14 दिसंबर तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है।

बर्फबारी और फिसलन को देखते हुए 428 किलोमीटर लंबा लेहङ्कमनाली राष्ट्रीय राजमार्ग-3 आज से वाहनों की आवाजाही के लिए आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। यह राजमार्ग अगले वर्ष गर्मियों में दर्रों से बर्फ हटने के बाद ही दुबारा खोला जाएगा। लद्दाख को हिमाचल से जोड़ने वाला यह मार्ग सेना, आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई, पर्यटन और स्थानीय आवागमन का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण कनेक्टिव मार्ग है।

पुलिस वाहन और बाइक की भिड़ंत में युवक की मौत

अमेठी, एजेंसी । उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब उनकी मोटरसाइकिल में महिला थाना प्रभारी की सरकारी वाहन से टक्कर हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। गौरीगंज कोतवाल श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि मृतक की पहचान पुरे उदवद मजरे सराय महेशा निवासी अखिलेश कुमार वर्मा (20) के रूप में हुई। वहीं, घायलों में पूरे सोहर निवासी पप्पू (45) और पूरे कालिका मजरे सराय महेशा निवासी शत्रुघ्न (20) हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला थाना प्रभारी कंचन सिंह किसी कार्य से जायस जा रही थी। अभी वह बाबूगंज बाजार के बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने पहुंची थी तभी उनकी तेज रफ्तार सरकारी वाहन से सामने से आ रहे बाइक सवार युवक टकरा गए। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों एवं स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस के माध्यम से दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां डॉक्टरों ने दोनों को जिला अस्पताल फिर यहां से लखनऊ स्थित हायर सेंटर भेज दिया गया।

दक्षिण बंगाल में गिरा तापमान, उत्तरी हवा के असर से बढ़ी ठंड

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में ठंड की शिद्दत बढ़ने लगी है। राज्य के शांति निकेतन में इस मौसम में पहली बार रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया । अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार शनिवार देर रात शांति निकेतन का न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस दिन शांति निकेतन के अलावा राज्य में केवल दार्जिलिंग ही ऐसा स्थान रहा जहां रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे दर्ज हुआ। समुद्र तल से दो हजार मीटर से अधिक ऊंचाई पर बसे दार्जिलिंग में तापमान कुछ दिन पहले से ही सिंगल डिजिट में बना हुआ है, लेकिन दक्षिण बंगाल के किसी स्थान पर तापमान का इतना गिरना इस वर्ष पहली बार हुआ है। बंगोपसागर के ऊपर से निम्न दबाव का प्रभाव कम होने के बाद उत्तर पूर्व दिशा से आने वाली ठंडी और

सूखी हवा के प्रवेश में तेजी आई है। इसी वजह से गंगा पार पश्चिम बंगाल में शीत का असर महसूस होना शुरू हो गया है। हालांकि दिसंबर की ठंड का अहसास अभी कोलकाता तथा आसपास के इलाकों में उतना तीव्र नहीं हुआ है। राज्य के पश्चिमी जिलों जैसे बांधवगढ़, बीरभूम, पुरुलिया, पश्चिम बर्धमान और पश्चिम मेदिनीपुर की पथरीली और रुखी प्रकृति के कारण यहां ठंड की तीव्रता अधिक महसूस की जा रही है। इसके प्रभाव से शांति निकेतन के साथ बांधवगढ़ का तापमान 11.2, पुरुलिया का 11.4, पानागढ़ का गया।

नेशनल हाईवे पर कंटेनर की टक्कर से सिपाही घायल, पत्नी की मौत

इटावा – कानपुर नेशनल हाईवे पर हुआ हादसा

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में इटावा - कानपुर नेशनल हाईवे पर मामा होटल, भाऊपुर के पास हुए सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाही शिवम सिंह की पत्नी शिवी राजावत (24) की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा आज करीब सुबह 11 बजे उस समय हुआ जब सिपाही अपनी पत्नी के साथ बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर औरैया कोतवाली क्षेत्र के गांव चिरूहूली स्थित अपने घर से ड्यूटी के लिए कानपुर लौट रहे थे।

जैसे ही दंपति मामा होटल के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने उनकी बुलेट को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिवी राजावत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सिपाही शिवम सिंह को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सीओ सिटी अशोक कुमार ने बताया कि कंटेनर चालक को हिरासत में ले लिया गया है। मृतका के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

खेत से ट्रैक्टर निकालने से मना करने पर मारपीट

ललितपुर, एजेंसी । थाना तालबेहट के ग्राम खांदी अंतर्गत मजरा गनेशपुरा निवासी अरविन्द गिरी पुत्र मथुरा प्रसाद कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 6 दिसम्बर को सुबह करीब 7 बजे जब वह अपने खेत पर था। तभी गांव के वीरपाल यादव, शिशुपाल यादव व राजपाल यादव पुत्रगण श्रीराम यादव एकराय होकर उसके खेत से बजरा भरा ट्रैक्टर निकाल रहे थे। जब उसने ट्रैक्टर निकालने से मना किया तो उक्त लोगों ने गालियां देते हुये मारपीट कर दी। शोरगुल सुनकर मौके पर आकर उसके परिजनों ने उसे बचाया, जिस पर उक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुये चले गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

नशे में युवक ने फांसी लगा की खुदकुशी

बांदा, एजेंसी । नशे में युवक के कमरे के अंदर लोहे के पाइप में दुपटटा से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूरोपीय संघ ने एक्स पर लगाया 140 मिलियन डॉलर का जुर्माना

मस्क का गुस्सा फूटा

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय संघ ने अरबपति एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डिजिटल सर्विसेज एक्ट (डीएसए) के उल्लंघन के लिए 120 मिलियन यूरो (लगभग 140 मिलियन डॉलर) का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना यूरोपीय आयोग द्वारा एक्स के खिलाफ पारदर्शिता और कंटेंट मॉडरेशन संबंधी नियमों के पालन न करने के कारण लगाया गया है। इस कदम से अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच तनाव बढ़ गया है, जहां ट्रंप प्रशासन ने इसे अमेरिकी फ्री स्पीच पर हमला करार दिया है।

आयोग की दो साल की जांच में पाया गया कि एक्स ने ब्लू टिक वेरिफिकेशन सिस्टम को भ्रामक तरीके से डिजाइन किया, जिससे उपयोगकर्ताओं को गुमराह किया गया। पहले ट्विटर पर ब्लू टिक केवल प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे सेलेब्रिटी, राजनेता और पॉप फिगर के लिए आरक्षित था, लेकिन मस्क के अधिग्रहण के बाद इसे सब्सक्रिप्शन मॉडल से जोड़ दिया गया, जो यूरोपीय नियमों का उल्लंघन था। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म ने विज्ञापनों की जानकारी पर्याप्त पारदर्शी तरीके से नहीं साझा की और शोधकर्ताओं को पब्लिक डेटा तक पहुंच प्रदान करने में विफल रहा। आयोग ने कहा, उपभोक्ताओं को धोखा देना, विज्ञापनों की जानकारी छिपाना और शोधकर्ताओं को रोकना यूरोपीय संघ में स्वीकार्य नहीं है।

जुर्माने के ऐलान के तुरंत बाद मस्क ने एक्स पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आयोग के पोस्ट पर जवाब देते हुए इसे बुलशिट कहा। मस्क ने अपने 230 मिलियन फॉलोअर्स से कहा, ईयू को खत्म देना चाहिए और संप्रभुता अलग-अलग देशों को वापस मिलनी चाहिए, ताकि सरकारें अपने लोगों का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकें। जब एक यूजर ने उनके बयान को रीपोस्ट किया, तो मस्क ने स्पष्ट किया, मैं सच कह रहा हूं। मजाक नहीं कर रहा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, मुझे यूरोप पसंद है, लेकिन ईयू जैसा नौकरशाही वाला

राक्षस नहीं। मस्क ने आगे कहा कि यह जुर्माना न केवल एक्स पर, बल्कि उन पर व्यक्तिगत रूप से लगाया गया है, इसलिए प्रतिक्रिया व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार अधिकारियों पर भी होनी चाहिए।

ट्रंप प्रशासन ने भी इसकी कड़ी निंदा की। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर पोस्ट किया, यह जुर्माना न केवल एक्स पर, बल्कि सभी अमेरिकी टेक प्लेटफॉर्म्स और अमेरिकी लोगों पर विदेशी सरकारों का हमला है। अमेरिकियों को ऑनलाइन सेंसर करने के दिन खत्म हो गए। मस्क ने रुबियो के बयान को रीपोस्ट करते हुए पूर्णतः सहमत कहा। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसे अमेरिकी कंपनियों पर हमला बताया, जबकि वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और एफसीसी चेयर ब्रेंडन कार ने यूरोपीय संघ की दमनकारी नीतियों की आलोचना की। सीनेटर टेड क्रूज ने इसे अमेरिकी नौकरियों और फ्री स्पीच पर हमला करार देते हुए ट्रंप से प्रतिबंध लगाने की मांग की।

यह जुर्माना डीएसए के तहत एक्स के खिलाफ पहला आर्थिक दंड है, जो 2022 में लागू हुआ कानून है। एक्स को 60 दिनों में ब्लू टिक मुद्दे का समाधान बताना होगा, जबकि विज्ञापन और डेटा एक्सेस के लिए 90 दिन का समय दिया गया है। अनुपालन न करने पर और जुर्माना लग सकता है। मस्क को फैसले के खिलाफ अपील का अधिकार है, जो लंबी कानूनी लड़ाई का रूप ले सकता है।

मैक्रों ने चीन में जाकर जिनपिंग को दी धमकी, दुनिया में मच गया हड़कंप

बीजिंग, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वैश्विक व्यापार युद्ध में नया मोड़ ला दिया है। चीन के बढ़ते व्यापार सरप्लस और यूरोप के लिए गंभीर होते आर्थिक असंतुलन पर तीखा रुख अपनाते हुए मैक्रों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि यदि बीजिंग ने यूरोपीय यूनियन के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए कदम नहीं उठाए, तो यूरोप भी अमेरिका की तरह चीनी सामानों पर भारी टैरिफ लगा सकता है। अपनी हालिया चीन यात्रा के बाद दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि यह यूरोपीय उद्योग के लिए जीवन और मृत्यु जैसा सवाल है और अब यूरोप चीन की एकतरफा व्यापार नीति को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगा।

मैक्रों का सबसे तीखा हमला चीन की उस नीति पर था जिसके कारण यूरोप चीनी उत्पादों का डंपिंग ग्राउंड बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि चीन यूरोप को बेचने के लिए बड़े पैमाने पर सामान भेज रहा है, लेकिन यूरोपीय कंपनियों के लिए चीन के बाजार में प्रवेश लगातार मुश्किल

होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि चीन का यह व्यापार मॉडल अस्थिर है–अगर ग्राहक ही कमजोर हो गया, तो चीन अपना माल किसे बेचेगा? यह बयान यूरोपीय नेतृत्व की बढ़ती नाराजगी और आने वाले कड़े कदमों की स्पष्ट चेतावनी है।

मैक्रों ने बीजिंग के सामने यह भी साफ किया कि स्थिति सुधारने के लिए समय सीमित है। यदि चीन ने प्रतिक्रिया नहीं दी, तो यूरोप आने वाले महीनों में अमेरिका की तर्ज पर टैरिफ लगाने जैसे कदम उठाने को मजबूर होगा। यूरोप अब तक चीन के मुकाबले अपेक्षाकृत नरम माना जाता था, लेकिन मैक्रों की यह चेतावनी उस दौर के अंत की ओर संकेत करती है। यूरोपीय यूनियन का चीन के साथ व्यापार घाटा 2019 के बाद से लगभग 60प्रतिशत बढ़ चुका है। सस्ते चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों, सोलर पैनलों और स्टील ने यूरोप के बाजारों में बड़ी हिस्सेदारी ले ली है। इसके विपरीत, यूरोपीय कंपनियों को चीन में व्यापार करने के लिए कठोर नियमों और प्रतिबंधों से गुजरना पड़ता है। फ्रांस समेत कई देशों की घरेलू उद्योग इस असंतुलन से प्रभावित हो रही है। मैक्रों ने कहा कि यूरोप न केवल चीन की आक्रामक विनिर्माण नीति से जूझ रहा है, बल्कि अमेरिका की अमेरिका फर्स्ट नीति से भी दबाव में है। ट्रंप प्रशासन द्वारा बढ़ाए गए संरक्षणवादी कदमों के कारण चीन जब अमेरिका को निर्यात सीमित करता है, तो उसका अतिरिक्त माल यूरोपीय बाजारों में भर जाता है और कीमतें ध्वस्त हो जाती हैं। उन्होंने इसे यूरोप के लिए अत्यंत खतरनाक स्थिति बताते हुए कहा कि इससे यूरोपीय उद्योग का मॉडल कमजोर हो रहा है।

सिर्फ चेतावनी ही नहीं, मैक्रों ने चीन को एक समझौता प्रस्ताव भी दिया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यूरोप सेमीकंडक्टर मशीनरी के निर्यात पर लगी पाबंदियों में ढील दे सकता है–जो चीन की टेक इंडस्ट्री के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसके बदले, चीन को अपने 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के निर्यात पर लगी सीमाएं हटानी होंगी। ये खनिज बैटरी, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योग के लिए अहम हैं और चीन इनका सबसे बड़ा उत्पादक है।

लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर हड़कंप, काली मिर्च के स्प्रे से यात्रियों पर हमला

लंदन, एजेंसी। हीथ्रो एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर उस समय हड़कंप मच गया, जब मल्टीस्टोरी कार पार्क में काली मिर्च के स्प्रे से लोगों पर हमला किए जाने की सूचना सामने आई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, हमलावरों के एक समूह ने कई लोगों पर पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया और इसके बाद मौके से फरार हो गया। घटना सुबह 8 बजकर 11 मिनट पर हुई, जिसके तुरंत बाद एयरपोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी फैल गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अधिकतर हमलावर भाग चुके थे। हालांकि एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे आर्म्ड पुलिस पूछताछ कर रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह हमला किसी व्यक्तिगत विवाद का नतीजा था और इसमें शामिल लोग एक-दूसरे को पहले से जानते थे। पुलिस ने स्पष्ट किया

है कि इसे आतंकवाद से जुड़ा मामला नहीं माना जा रहा है, लेकिन एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।लंदन एम्बुलेंस सर्विस भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और प्रभावित लोगों को अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, किसी की चोटें गंभीर नहीं हैं और सभी घायलों का इलाज चल रहा है। लंदन फायर ब्रिगेड भी 8 बजकर 14 मिनट पर सहायता के लिए पहुंची और अब भी मौके पर तैनात है। अधिकारियों ने इसे महत्वपूर्ण घटना बताते हुए राहत और सुरक्षा कार्यों में कई टीमों को लगाया है।

हीथ्रो एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अतिरिक्त समय लेकर आएं और अपनी उड़ानों से संबंधित जानकारी एयरलाइन से अवश्य चेक करें। हमले के चलते कुछ समय के लिए ट्रैफिक प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में हालात सामान्य होने लगे।

बांग्लादेश चुनाव : गाजीपुर नॉमिनेशन को लेकर आपस में भिड़े बीएनपी के लोग

झड़प में 10 घायल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में यूनुस की अंतरिम सरकार में अराजकता की स्थिति बनी हुई है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल भी काफी देखने को मिल रही है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अंदर अंदरूनी झगड़े का एक नजारा फिर से दिखा। दरअसल, गाजीपुर जिले में एक चुनाव क्षेत्र के लिए पार्टी के नॉमिनेशन को लेकर बीएनपी के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार इस झड़प में कम से कम दस लोग घायल हो गए। रविवार शाम कालियाकैर उपजिला में गाजीपुर-1 सीट को लेकर बीएनपी उम्मीदवार तथा कालियाकैर नगरपालिका के पूर्व मेयर मुजीबुर रहमान के समर्थकों और पार्टी की पूर्व स्थायी समिति के सदस्य चौधरी तनवीर अहमद सिद्दीकी के पुत्र इशराक सिद्दीकी के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इशराक को पार्टी की ओर से नॉमिनेशन नहीं

दिया गया था, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

रिपोर्ट्स के अनुसार इस झड़प की वजह से पार्टी को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। पार्टी के कई चुनावी कैंपेन दफ्तर और गाड़ियों में तोड़फोड़ और आग लगा दी गई।

इस बात की पुष्टि करते हुए, गाजीपुर के एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (क्राइम) ने कहा, बीएनपी के दो गुटों में हमले और आगजनी हुई। दोनों पक्षों से बातचीत के बाद शांति बनाए रखने की कोशिशें चल रही हैं।

स्थानीय सूत्रों के हवाले से, बांग्लादेशी अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड ने बताया कि इशराक सिद्दीकी के समर्थकों ने रविवार दोपहर कालियाकैर उपजिला के राखालियाचला इलाके में एक विरोध रैली की। रैली के दौरान जैसे ही समर्थकों का जमावड़ा होना शुरू हुआ, बीएनपी उम्मीदवार मुजीबुर रहमान के कथित 20-25 लोगों का एक समूह मोटरसाइकिल पर आया और हमला कर दिया। इस घटना में कम से कम 10 लोग घायल हो गए। घायलों को बाद में शहीद ताजुद्दीन अहमद मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इशराक सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि नॉमिनेशन के फैसले से नाराज नेताओं के गुस्से को दबाने के लिए इस तरह से जानबूझकर हमला किया गया।

उन्होंने कहा, इस सीट को जिस तरह से हैंडल किया गया, उससे बहुत ज्यादा गुस्सा है। हम शांतिपूर्ण विरोध कर रहे थे, फिर भी मुजीबुर रहमान के लोगों ने हम पर हमला कर दिया। कुछ को बिना वजह हिरासत में भी लिया गया। अब पूरे इलाके में डर फैल गया है।

बता दें, बीते दिन बांग्लादेशी मीडिया ने जानकारी दी कि चुनाव आयोग इस हफ्ते किसी भी दिन आम चुनाव और जनमत संग्रह की तारीख की घोषणा कर सकता है। ढाका के निर्वाचन भवन में रविवार को चीफ इलेक्शन कमिश्नर एएमएम नासिर उद्दीन की अध्यक्षता में कमीशन की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में बांग्लादेश आम चुनाव को लेकर फैसला लिया गया है।

मीटिंग के बाद बांग्लादेशी मीडिया को जानकारी देते हुए इलेक्शन कमिश्नर ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) अबुल फजल एमडी सनाउल्लाह ने कहा, चुनाव की तारीख इस हफ्ते किसी भी दिन घोषित की जाएगी।

सीधी के विद्यार्थियों का बेंगलुरु एक्सपोजर टूर सफलतापूर्वक संपन्न

सीधी के छात्र बेंगलुरु विजिट से लौटे, कहा सीख जिंदगीभर याद रहेगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आउट ऑफ स्टेट एक्सपोजर विजिट के तहत सीधी जिले के 17 विद्यार्थियों का दल बेंगलुरु भ्रमण से सकुशल लौट आया। यह दल दिनांक 30 नवंबर 2025 को शैक्षणिक अवलोकन एवं सांस्कृतिक अध्ययन हेतु बेंगलुरु रवाना हुआ था तथा 08 दिसंबर 2025 को सीधी पहुंचा। वापसी के उपरांत शासकीय उत्कृष्ट उमावि क्रमांक-2 सीधी में जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह, सहायक संचालक ओशो उत्सव, अतिरिक्त परियोजना समन्वयक प्रवीण शुक्ल, सहायकपरियोजना समन्वयक डा सुजीत कुमार मिश्र सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। विजिट से लौटे सभी विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह एवं संतोष की झलक स्पष्ट दिखाई दी। विद्यार्थियों ने क्रमवार अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस भ्रमण ने उनके ज्ञान, दृष्टिकोण एवं आत्मविश्वास में वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में प्राप्त अनुभवों, सूचना एवं तकनीकी ज्ञान को वे अपने विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के साथ भी साझा करेंगे, जससे अधिक छात्र लाभान्वित हो सकें।इन स्थानों का किया भ्रमण भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विश्वेश्वरैया इंडस्ट्रियल एंड टेक्नोलॉजी म्यूजियम साइंस म्यूजियम, बेंगलुरु पैलेस, कल्चर एक्सपेरिमेंट गैलरी, टीपू सुल्तान मकबरा, इस्कॉन मंदिर, लालबाग सहित कई ऐतिहासिक एवं ज्ञानवर्धक स्थलों का अवलोकन किया।शकारी गतिविधियों, वैज्ञानिक मॉडलों एवं प्रयोगों को निकट से देखने का अवसर भी मिला। दो मार्गदर्शी शिक्षक अर्चना पांडे एवं बालेंदु शेखर दुबे भी दल के साथ रहे।

विद्यार्थियों ने अपनी यात्रा डायरी जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत की। डीईओ पवन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञान केवल भ्रमण तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यालय एवं समाज में प्रसारित।

हो ताकि अधिक बच्चे प्रेरित हों। सहायक संचालक ने भी इस सीख को जीवन में व्यवहारिक रूप से लागू करने की बात कही। मार्गदर्शी शिक्षक बालेंदु शेखर दुबे ने बताया कि यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय रहा, जिससे उन्होंने पुस्तकों में पढ़े विषयों को प्रत्यक्ष रूप में समझा। अनुशासन, तकनीक, संस्कृति एवं जीवन प्रबंधन के कई पहलुओं को निकट से जानने-समझने का अवसर मिला। मार्गदर्शी शिक्षिका अर्चना पांडेय ने बताया कि मार्गदर्शी शिक्षिका के रूप में इस महत्वपूर्ण बेंगलुरु शैक्षणिक भ्रमण का दायित्व निभाने और सफलतापूर्वक सम्पन्न होने से, बहुत खुश हूं। बच्चों के चेहरों पर उत्साह, जिज्ञासा और सीखने की चमक देखकर मन सचमुच गद्गद हो उठा। पूरी यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी का उत्कृष्ट परिचय दिया। जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलता रहा। बच्चों की सुरक्षा, सीख, अनुभव, प्रेरणा और आनंद से भरी हुई यात्रा रही, इन सबको संतुलित रखते हुए यह टूर एक सुखद अनुभव बन गया।

सिंगरौली कलेक्टर सख्त, दो अफसरों पर लिया एक्शन

पीएचई और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी पर वेतन कटौती, नोटिस के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्टर गौरव बेनर ने सोमवार को समय सीमा बैठक में सख्त रुख अपनाया। सरकारी कामकाज में लापरवाही और जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बरतने पर दो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने पीएचई विभाग के अधिकारी का वेतन काटने और प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। सीएम हेल्पलाइन की खराब रैंकिंग के लिए लगाई फटकार: बैठक के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिक (पीएचई) विभाग के कार्यपालन यंत्री को सीएम हेल्पलाइन की खराब रैंकिंग के लिए फटकार लगाई गई। कलेक्टर ने साफ कहा कि जनशिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी को लेकर कार्यपालन यंत्री और एक अन्य यंत्री की सात दिन की सैलरी रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी का बैठक में नहीं आना गंभीर बात माना। उन्होंने कहा कि सिंगरौली जिला प्रदूषण के मामले में पहले से ही संवेदनशील है। पिछले सप्ताह प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक बड़ी बैठक हुई थी, जिसमें सभी विभागों की जिम्मेदारियां तय की गई थीं। इसके बावजूद संबंधित अधिकारी का बैठक में शामिल न होना गंभीर लापरवाही है, जिसके लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जनता के कामों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर ने चेतावनी दी कि सरकारी सेवाओं और जनहित के कार्यों में लापरवाही करने वाले किसी भी अधिकारी-कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में काम पूरा करने और सीएम हेल्पलाइन के मामलों का तुरंत समाधान करने के निर्देश भी दिए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने लोक अदालत के प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर सीधी एवं तहसील मुख्यालय चुरहट, मझौली तथा रामपुर नैकिन में 13 दिसंबर को वर्ष 2025 की चौथी एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्रधान जिला न्यायाधीश दिनकर ने नेशनल लोक अदालत के समुचित को प्रचार रथ को जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ तथा पंप्लेट्स वितरण के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार किया जावेगा।

उक्त कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, उमाकांत शुक्ला, सौरभ पाठक उपस्थित रहे।

अवैध खनिज उपयोग पर कार्रवाई के निर्देश, 15 दिन में रॉयल्टी जमा करें संविदाकार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रेलवे संविदाकारों को चेतावनी, खनिज नियमों का पालन आवश्यक कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में रेलवे के निर्माण कार्यों में उपयोग किए जा रहे खनिजों की अनुमति और रॉयल्टी संबंधी मुद्दों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने बिना अनुमति और अग्रिम रॉयल्टी जमा किए कुछ संविदाकारों द्वारा कार्य किए जाने की शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने खनिज अधिकारी सीधी को संबंधित प्रकरणों में कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य अभियंता निर्माण पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर इंद्रजीत वर्मा को निर्देशित किया गया कि संविदाकारों द्वारा उपयोग किए गए गौण खनिजों की रॉयल्टी जमा होने के बाद ही बिल भुगतान किया जाए।

बैठक में उपस्थित सभी उप मुख्य अभियंता और संविदाकारों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि बिना वैध अनुमति किसी प्रकार का खनन या परिवहन नहीं किया जाए। किसी भी उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने रेलवे के सभी संविदाकारों को निर्देशित किया कि रेलवे ट्रैक निर्माण में उपयोग किए गए गौण खनिजों की रॉयल्टी 15 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से जमा कराई जाए। खनिज अधिकारी को अवैध उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

खनिज नियमों की विस्तृत जानकारी, किसी प्रकार की छूट नहीं। बैठक में रेलवे की ओर से मुख्य अभियंता निर्माण पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर इंद्रजीत वर्मा, उप मुख्य अभियंता निर्माण पश्चिम मध्य रेलवे सीधी अबलीश कुमार मीणा, उप मुख्य अभियंता निर्माण पश्चिम मध्य रेलवे रीवा जी. एल. मीणा उपस्थित रहे। राजस्व विभाग से संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चुरहट शैलेश द्विवेदी, गोपद बनास राकेश शुक्ला और सिहावल प्रिया पाठक, खनिज विभाग की ओर से प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा सीधी कपिल मुनि शुक्ला, प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव और रेलवे के संविदाकार भी शामिल हुए।

बागेश्वर बाबा को अपशब्द कहने पर विवाद, अमिलिया पुलिस ने आरोपी को पकड़ा; गंभीर धाराओं में केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बागेश्वर धाम महाराज के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। जनपद सिहावल क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमरी निवासी शिवम वर्मा ने यह टिप्पणी की, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया। अमिलिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। शिवम वर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उसने बागेश्वर धाम महाराजा के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। इस घटना के बाद सोमवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थाने के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारी: मामला सामने आने के बाद बजरंग दल बहरी के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय के नेतृत्व में एडवोकेट महेंद्र पाण्डेय, पवन शुक्ला, शिवेश उपाध्याय, रामगोपाल शुक्ला, शिवानंद मिश्रा, सौरभ सिंह, जय द्विवेदी, राहुल मिश्रा, नवीन उपाध्याय, अभिषेक कुमार शुक्ला, शिवम सिंह और उत्तम यादव सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठन सदस्यों ने अमिलिया थाना पहुंचकर आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही अमिलिया थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने आरोपी शिवम वर्मा को कुछ ही घंटों के भीतर पकड़ लिया। उसकी गतिविधियों, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की गई।

सिहावल उपार्जन केंद्र पर धान खरीदी में गड़बड़ी की शिकायत, नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण, प्रभारी को दिए सुधार के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान किसानों की शिकायतों के बाद प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया है। सोमवार, 8 दिसंबर 2025 को सिहावल तहसील के शहजी उपार्जन केंद्र का नायब तहसीलदार दिनेश तिवारी ने औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण एसडीएम प्रिया पाठक के निर्देश पर किया गया था। दरअसल, धान खरीदी के पहले ही दिन एक किसान ने सिहावल एसडीएम से अतिरिक्त शुल्क और गलत तौल को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम पाठक ने तत्काल नायब तहसीलदार को जांच के लिए भेजा।

नायब तहसीलदार तिवारी उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने खरीदी की पूरी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। किसान रामेश्वर सिंह ने आरोप लगाया कि उनसे अतिरिक्त राशि ली जा रही है और 40 किलो 500 ग्राम के मानक के बजाय 41 किलो का बोरा भरवाया जा रहा है, जो नियमों के विपरीत है। जांच के दौरान नायब तहसीलदार तिवारी ने केंद्र प्रभारी रमेश गौतम से भी चर्चा की और खरीदी व्यवस्था में संभावित खामियों को सुधारने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार ने धान की गुणवत्ता, वजन, भंडारण व्यवस्था और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की भी जांच की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसानों से अतिरिक्त पैसे वसूलने या गलत तौल जैसी गड़बड़ियों की पुष्टि होती है, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, मौके पर मौजूद अन्य किसानों ने किसी प्रकार की शिकायत से इनकार किया।

सांसद खेल महोत्सव के तहत वूशु प्रतियोगिता सम्पन्न, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

सीधी। सीधी में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत वूशु प्रतियोगिता 2025 का सफल आयोजन पुलिस परेड ग्राउंड में किया गया। प्रतियोगिता में जिले के बालक-बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मैदान पर युवा प्रतिभाओं की ऊर्जा, अनुशासन और जुझारूपन साफ झलक रहा था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में खेलों का माहौल नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए खेलो इंडिया जैसे जनआंदोलनों को जाता है।

नहीं मिले पीएम आवास योजना का मकान, सिंगरौली में हितग्राही परेशान; कलेक्टर ने कार्रवाई का आश्वासन दिया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राही नगर निगम की लापरवाही के कारण वर्षों से आवास के लिए भटक रहे हैं। पैसा जमा करने के बावजूद उन्हें घर नहीं मिल पा रहा है। आज सोमवार को कई हितग्राही अपनी शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर गौरव बेनर से न्याय की गुहार लगाई। नवजीवन विहार सेक्टर नंबर-1 की निवासी निशिता सिंह ने बताया कि उन्होंने 8 मार्च 2020 को प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन किया था। उनका आवेदन स्वीकार होने के बाद 31 अगस्त 2021 को उनसे 50,000 की राशि निगम कार्यालय में जमा कराई गई थी। इसके बावजूद, उन्हें आज तक आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है।

निशिता के अनुसार, हर बार नगर निगम के चक्कर लगाने पर उन्हें 'अगले सप्ताह आवास मिल जाएगा' का जवाब मिलता है, लेकिन वर्षों बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इसी तरह अन्य कई हितग्राहियों ने भी अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने बताया कि उन्होंने नियमों के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेज और भुगतान निगम में जमा कर दिए हैं।

इसके बावजूद आवास न मिलना सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े करता है। महिलाओं ने कहा कि वे कई बार निगम अधिकारियों के पास गुहार लगा चुकी हैं, न्लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है। हितग्राहियों की शिकायत सुनने के बाद कलेक्टर गौरव बेनर ने नगर निगम अधिकारियों से तुरंत जानकारी लेने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने का आश्वासन दिया। कलेक्टर ने जोर देकर कहा कि योजना के पात्र हितग्राहियों को किसी भी हालत में परेशान नहीं होना चाहिए। इस मामले पर दैनिक भास्कर डिजिटल ने नगर निगम के कार्यपालन यंत्री संतोष कुमार पांडे से बात की। उन्होंने बताया कि नगर निगम उन हितग्राहियों के नाम सूची से हटा रहा है जिन्होंने अब तक भुगतान नहीं किया है। पांडे ने आगे कहा कि जिन लोगों ने राशि जमा कर दी है, उनके लिए नई सूची तैयार की जा रही है और जल्द ही उन्हें आवास उपलब्ध कराया जाएगा। पात्र हितग्राही अब उम्मीद कर रहे हैं कि प्रशासन के हस्तक्षेप से उन्हें उनका हक मिलेगा और उनके सिर पर जल्द ही पक्की छत होगी।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सभी विभाग सर्वोच्च प्राथमिकता दें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की समय-सीमा बैठक कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित सभी प्रमुख योजनाओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सभी विभाग सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग ग्रेड-ए में आने का लक्ष्य निर्धारित करे तथा शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा सुनिश्चित की जाए। उपखंड अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्रों में लंबित प्रकरणों की निरंतर मॉनिटरिंग कर नियमित उपखंड स्तरीय समीक्षा बैठकें आयोजित करें। बैठक में कलेक्टर ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस से जुड़े बिंदुओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने कहा कि शासन की नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर उदासीनता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आवश्यक एजेंडा बिंदुओं पर त्वरित और सटीक कार्यवाही करें, ताकि जिले में योजनाओं का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे। कलेक्टर ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य शासन के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभागवार उपलब्धियों और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी तैयार रखी जाए। साथ ही वृंदावन ग्राम योजना तथा गीता भवन निर्माण से संबंधित सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएँ जिले की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान से जुड़ी हैं, इसलिए गुणवत्ता और समय-सीमा दोनों का विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे, यह प्रत्येक विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी मैदानी भ्रमण बढ़ाएँ, कार्यस्थलों का निरीक्षण करें और वास्तविकता के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी हो सके।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखंड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, गोपद बनास राकेश शुक्ला, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पेड़ कटाई मामले में कांग्रेस ने बनाई जांच टीम, 11 दिसंबर को करेंगे जांच-पड़ताल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। घिराली कोल ब्लॉक के लिए तेजी से हो रही बड़े पैमाने की पेड़ों की कटाई को लेकर राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। पर्यावरणीय नुकसान और वन क्षेत्र पर बढ़ते खतरे को गंभीरता से लेते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने एक तथ्य अन्वेषण समिति गठित कर दी है, जो 11 दिसंबर 2025 तक सिंगरौली पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। समिति का नेतृत्व प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी कर रहे हैं।

कांग्रेस ने कहा है कि सिंगरौली में 'अनियंत्रित और असामान्य गति से' पेड़ों की कटाई हो रही है, जो पर्यावरण, स्थानीय आबादी और प्राकृतिक संसाधनों के लिए गंभीर खतरा है। पार्टी का आरोप है कि घिराली कोल ब्लॉक में वन संरक्षण कानून व पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी करते हुए मशीनों से पेड़ों को उखाड़ा जा रहा है।

गोवा के नाइट लब में 25 लोगों की मौत, जानलेवा लापरवाही का जिमेदार कौन?

संपादकीय

उत्तरी गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से कई लोगों की मौत लापरवाही का नतीजा है। संकरे रास्ते, नियमों की अनदेखी और अवैध निर्माण के कारण यह हादसा हुआ। ऐसी घटनाएं पर्यटन को नुकसान पहुंचाती हैं।

उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने से हुई मौतों के लिए की वजह लापरवाही है। जितनी तत्परता अब दिखाई जा रही है, अगर ऐसी संजीदगी नियमों का पालन करने और कराने में होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था।

लापरवाहियों की लिस्ट- नाइट क्लब में शनिवार आधी रात को जब आग लगी, तब यह पूरी तरह भरा हुआ था। वीकेंड मनाने आए लोग अचानक ही लपटों और धुएं के बीच फंस गए और ऐसी अफरातफरी मची कि कई लोगों को बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिला। अगर लापरवाहियों की लिस्ट निकाली जाए, तो बेहद लंबी है।

नियमों की अनदेखी- नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

एक जैसी लापरवाही- जांच जारी है, और कई अनियमितताएं व नियमों का उल्लंघन सामने आए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों को लेकर यह लापरवाही आम है, खासकर फायर सेफ्टी को लेकर। इसी साल मई में हैदराबाद के गुलजार हौज इलाके में एक आवासीय बिल्डिंग में आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हताहतों की संख्या ज्यादा होने के पीछे यही वजह निकली - संकरे रास्ते, वेंटिलेशन की कमी।

देर से जागे- अब सभी क्लब की जांच करने की बात की जा रही है, लेकिन इसके लिए किसी हादसे का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं।

डॉ. आबेडकर और आर्य आक्रमण का झूठ

हृदयनारायण दीक्षित

सम्प्रति राष्ट्र डॉ. आम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मना रहा है। उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं। डॉ. बी.आर. आम्बेडकर वास्तव में भारत रत्न हैं। प्रख्यात् मनीषी, संविधान सर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान है। प्रखर राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आम्बेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे। वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋग्वेद सहित सम्पूर्ण प्राचीन भारतीय वाङ्मय पढ़ा। उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रन्थ भी उनके प्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। शूद्रों को अलग नस्ल बताने वाली नेतागीरी का प्रतिकार किया। मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दलितों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बहुचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धांत' का प्रतिकार किया। भारतीय इतिहास बोध के प्रेमी उनके ऋणी रहेंगे।

राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आम्बेडकर ने लिखा, यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में है। आर्यों और दस्युओं में युद्ध हुआ, यह साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं है। फिर दस्युओं का शूद्रों से कुछ लेना-देना नहीं है। (डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर राइटिंग्स एण्ड स्पीचेज खण्ड 7 पृष्ठ 420)

आर्यों को विदेशी मानने का झूठ अभी भी जारी है।

डॉ. आम्बेडकर की पुस्तक हू वेयर शूद्राज (शूद्र कौन थे) (1946) पठनीय है। उन्होंने एक विद्वान अधिवक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार दिये हैं। उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है। उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मुख्य स्थापनाएं बनाई - 1. जिन लोगों ने वैदिक साहित्य रचा था, वे आर्य नस्ल के थे। 2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था। 3. भारत के निवासी दास और दस्यु रूप में जाने जाते थे और ये आर्यो से नस्ल के विचार से भिन्न थे। 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 5. आर्यो ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त की। 6. दस और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए। 7. आर्यो में रंगभेद की भावना थी। इसलिए उन्होंने चातुर्वर्ण्य का निर्माण किया। इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वही, खण्ड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों विचार बिन्दुओं की सभी स्थापनाओं को गलत बताया। ऋग्वेद के उद्धरण दिये और लिखा इन (शब्दो) के प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द नस्ल के अर्थ में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुए। (वही पृष्ठ 70) वे आर्यो को विदेशी बताने का तर्क काटते हैं जहाँ तक वैदिक साहित्य का सम्बंध है, वह इस सिद्धांत के प्रतिकूल है कि आर्यो का मूल निवास भारत से कहीं बाहर था। (वही) आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते। आर्य हम सबके पूर्वज थे। डॉ. आम्बेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यो और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिये और लिखा, आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है। डॉ. अम्बेडकर की स्थापना है इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यो में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे। आर्यो के दोनों अवतारी पुरुष श्रीराम व श्रीकृष्ण सांवले थे।

भारतीय रुपए की अंतरराष्ट्रीय स्थिति, वैश्विक मुद्राओं में मूल्यांकन और विज़न 2047 का रोडमैप -एक विस्तृत विश्लेषण

किशन सनमुखदास भावनानी

24 घंटे में सबसे बड़ा मूल्य परिवर्तन 01-12-2025 को हुआ, जिसमें मूल्य में 0.235 प्रतिशत की वृद्धि हुई।भारतीय रुपए (आईएनआर) की अंतरराष्ट्रीय स्थिति सदैव भारत की आर्थिक संरचना,विकास दर, निर्यात- आयात संतुलन और वैश्विक आर्थिक घटनाओं से गहराई से प्रभावित होती रही है। वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिवेश, जहाँ अमेरिका और यूरोप जैसी अर्थव्यवस्थाएँ अपनी मौद्रिक नीतियों को लगातार सख्त कर रही हैं, वहीं भारत जैसे उभरते देशों की मुद्राएँ प्रत्यक्ष रूप से डॉलर के उतार-चढ़ाव से प्रभावित हो रही हैं। इस स्थिति में भारतीय रुपया एक संक्रमणकाल में खड़ा है। एक ओर वह विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था की मुद्रा है, वहीं दूसरी ओर उसकी अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता और मूल्यांकन अभी भी सीमित है।डॉलर-निर्भर वैश्विक व्यापार प्रणाली में आईएनआर की भूमिका बढ़ रही है लेकिन वह अभी भी उतनी दृढ़ नहीं हो सकी है कि उसे विश्व व्यापार की प्राथमिक मुद्राओं में शामिल किया जा सके। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भारतीय रुपया इस समय एक ऐसी मुद्रा के रूप में देखा जाता है जो स्थिर भी है औरचुनौतीपूर्ण भी। स्थिर इसलिए कि भारत का वित्तीय तंत्र मजबूत है, विदेशी मुद्रा भंडार विश्व के शीर्ष देशों में आता है, और आर्थिक विकास दर दुनियाँ में सबसे तेजों में है। लेकिन चुनौती इसलिए कि रुपये की विनिमय दर अभी भी बाहरी कारकों विशेषकर अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भर है। डॉलर के मजबूत होने से भारत जैसे देशों की मुद्राओं पर स्वतः दबाव आता है और यह दबाव बढ़ते विदेशी निवेश बहिर्वाह, अस्थिर वैश्विक बाजार और तेल-कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण और भी घना हो जाता है। इसी वजह से भारतीय रुपये की अंतरराष्ट्रीय मजबूती अक्सर वैश्विक परिस्थितियों से निर्धारित होती है, न कि केवल भारत की घरेलू आर्थिक क्षमता से जो महत्वपूर्ण कारक है।

साथियों बात अगर हम वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) के नज़रिए से देखनें की करें तो तस्वीर अपेक्षाकृत संतुलित दिखाई देती है। यह दर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, मुद्रास्फीति और क्रय-शक्ति के आधार पर तय होती है। कई वर्षों के विश्लेषण से पता चलता है कि रुपया नाममात्र गिरता हुआ दिखता है, लेकिन वास्तविक प्रतिस्पर्धात्मकता उतनी खराब नहीं होती जितनी यूएसडी/आईएनआर दर को देखकर समझा जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि भारत का निर्यात आधार विस्तार कर रहा है, सेवा-क्षेत्र वैश्विक स्तर पर प्रमुख है, और घरेलू बाजार की स्थिरता बाहरी दबावों को किसी हद तक संतुलित करती है।

साथियों बात अगर हम अब यदि हम भारतीय रुपये की तुलना अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं से करें, विशेषकर विकसित और विकासशील देशों की प्रमुख मुद्राओं से,तो वर्तमान स्थिति इस प्रकार उभरती है कि आईएनआर अधिकांश अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले कमजोर है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 89- 90 रुपये का मूल्य बताता है कि पिछले एक दशक में रुपये ने धीरे-धीरे कमजोरी दिखाई है। यूरो, ब्रिटिश पाउंड और जापानी येन जैसी स्थिर मुद्राओं के मुकाबले भी आईएनआर का मूल्यांकन दर्शाता है कि भारत को अभी भी वैश्विक आर्थिक धारा में अधिक स्थिरता प्राप्त करने की आवश्यकता है।हालांकि यह भी ध्यान देने योग्य है कि मुद्रा की कमजोरी हमेशा नकारात्मक संकेत नहीं होती,कई देश जानबूझकर अपनी मुद्रा को प्रतिस्पर्धी बनाए रखते हैं ताकि निर्यात को बढ़ावा मिले और घरेलू उद्योगों को लाभ हो। भारत की परिस्थिति मिश्रित है-कमजोर मुद्रा से निर्यात को कुछ हद तक सहारा मिलता है,लेकिन ऊर्जा- आयात पर भारी निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था पर महंगा प्रभाव डालती है।यदि मध्य एशियाई देशों,जैसे कज़ाख़स्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान या तुर्कमेनिस्तान की मुद्रा के मुकाबले आईएनआरकी स्थिति का आकलन किया जाए,तो स्पष्ट होता है कि यहाँ आईएनआर कुछ मामलों में अधिक स्थिर दिखाई देता है। कई मध्य एशियाई देशों की मुद्रा राजनीतिक अस्थिरता, राजकोषीय सीमाओं और व्यापारिक निर्भरता के कारण अधिक उतार-चढ़ाव का सामना करती है। ऐसे में आईएनआर अपेक्षाकृत स्थिर मुद्रा है, जिससे भारत और मध्य एशिया के बीच व्यापारिक संबंधों में सकारात्मक अवसर बनते हैं।चूंकि भारत इन देशों के साथ ऊर्जा, रक्षा, शिक्षा, फार्मास्यूटिकल और तकनीकी सहयोग बढ़ा रहा है, इसलिए आईएनआर का इन क्षेत्रों में लेन-देन मूल्य धीरे-धीरे बढ़ सकता है।

साथियों बात अगर कर हम अब भारतीय रुपये के भविष्य की बात करें तो विशेषकर विज़न 2047 के संदर्भ में, तो तस्वीर अत्यंत रोचक और बहुआयामी है। भारत का लक्ष्य 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का है। यदि यह लक्ष्य आर्थिक संरचना, नीति-निर्माण, उद्योग-विकास, अवसंरचना विस्तार और तकनीकी शक्ति के आधार पर पूरा होता है,तो निश्चित ही आईएनआर की वैश्विक स्थिति आज की तुलना में कहीं अधिक मजबूत होगी। भारत 2047 तक 26 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अनुमान के साथ चलता है, जहाँ प्रति व्यक्ति आय में भी कई गुना वृद्धि होगी।

प्रदूषण नियंत्रण हेतु जन आंदोलन की जरूरत

प्रोफेसर रवीन्द्र नाथ तिवारी
लेखक, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शास. आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के प्राचार्य हैं

सनातन संस्कृति में हजारों वर्षों से समस्त विश्व को एक परिवार माना गया है तथा वायु, जल, अग्नि, पृथ्वी, आकाश पंचमहाभूत हमारे प्राणों का आधार हैं। ऋग्वेद में वायु को प्राण और जीवन-शक्ति कहा गया है। यजुर्वेद में वर्णित है कि जिस समाज में वायु अशुद्ध हो जाए, वहाँ न आरोग्य रहता है, न संस्कृति, न धर्म और न ही सुख-शान्ति। हमारी संस्कृति में वायु को प्राणवायु और मातरिश्वा कहा गया है, वह माता के समान पालनहार है। यज्ञ के माध्यम से हम वायु को शुद्ध करते आए हैं, क्योंकि यज्ञ का सुगंधित औषधीय धूम ही वायु को पवित्र करता है। वर्तमान में विश्व में वायु प्रदूषण सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौती बन चुका है। मानवीय गतिविधियों, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा जीवाश्म ईंधन के अंधाधुंध उपयोग के परिणामस्वरूप यह समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व की लगभग अधिकतम जनसंख्या ऐसी हवा में सांस ले रही है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के वायु गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप नहीं है। विशेष रूप से पीएम 2.5 कणों का स्तर खतरनाक है। ये सूक्ष्म कण फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश कर हृदय रोग, स्ट्रोक, सीओपीडी, फेफड़े का कैंसर और श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा जारी एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स 2024 रिपोर्ट के अनुसार, यदि विश्व भर में पीएम 2.5 का स्तर डबल्यूएचओ के दिशानिर्देश तक लाया जाए तो वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा में 2.3 वर्ष की वृद्धि हो सकती है। दक्षिण एशिया में यह आंकड़ा 5 वर्ष तक पहुँच जाता है। इसका अर्थ है कि वायु प्रदूषण आज मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा बाहरी स्वास्थ्य खतरा है। भारत में स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। विश्व बैंक की 2024 रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में से लगभग 39 भारत के हैं। भारत की अधिकतर जनसंख्या डबल्यूएचओ के पीएम 2.5 मानक से 7 गुना अधिक प्रदूषण में रह रही है। दिल्ली लगातार कई वर्षों से विश्व का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बना हुआ है। हालांकि फरवरी 2025 में दिल्ली का सबसे कम एक्यूआई 121 दर्ज किया गया, जो पिछले तीन वर्षों के जनवरी-फरवरी में सबसे कम है, फिर भी यह मध्यम से खराब श्रेणी में ही आता है। नवंबर-दिसंबर में तो एक्यूआई नियमित रूप से 400-600 तक पहुँच जाता है, जो गंभीर और खतरनाक स्तर है। वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं, वाहनों का धुआँ (दिल्ली में 30-40 प्रतिशत), पराली जलाना (सर्दियों में 30-40 प्रतिशत), निर्माण धूल, कोयला आधारित बिजली संयंत्र, ईंट भट्टे, औद्योगिक उत्सर्जन तथा घरेलू चूल्हों से निकलने वाला धुआँ। स्टडीज बताती हैं कि भारत में प्रतिवर्ष 16-18 लाख असामयिक मृत्यु केवल वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। आर्थिक नुकसान जीडीपी का 3 से 7 प्रतिशत तक आँका गया है। जलवायु परिवर्तन भी वायु प्रदूषण को बढ़ा रहा है। गर्मी बढ़ने से ग्राउंड-लेवल ओजोन बनता है, धूल भरी आंधियाँ बढ़ती हैं और पराली जलाने का मौसम लंबा होता है।

भारतीय सनातन संस्कृति में प्रकृति को माता माना गया है, माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः। वेदों में पंचमहाभूतों की पवित्रता और संरक्षण पर जोर है। प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि वायु के बिना प्राणी एक क्षण भी जीवित नहीं रह सकता, अतः उसकी शुद्धता हमारा परम कर्तव्य है। सूर्योदय के पूर्व और सूर्यास्त के पश्चात् कार्य न करने, धुएँ से यज्ञ करना, वृक्षों को देवता मानना, ये सब वायु और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता के प्रतीक हैं। यह केवल स्वास्थ्य-संकट नहीं, सभ्यतामूलक संकट है। जब हम वायु को माता मानकर उसकी शुद्धता के लिए यज्ञ करते थे, तब हमारा पर्यावरण संतुलित था। आज हम उसी माँ की गोद में जहर घोल रहे हैं। सनातन दृष्टि कहती है, सर्वं खल्विदं ब्रह्म और वसुधैव कुटुम्बकम्। जब हम प्राणवायु को मार रहे हैं, तब हम अपने ही परिवार को मार रहे हैं। इसलिए वायु-शुद्धि केवल तकनीकी या नीतिगत प्रश्न नहीं, यह हमारी संस्कृति की पुनर्जीवन का प्रश्न है। जब तक हम प्राणवायु को फिर से प्राण नहीं बनाएँगे, तब तक न हम स्वस्थ रहेंगे, न हमारी सनातन संस्कृति जीवित रह सकेगी।

आज आवश्यकता है कि हम सनातन संस्कृति के इन्हीं मूल्यों को पुनर्जीवित करें संयम स्वच्छता स्वदेशी जैविक जीवनशैली और सह-अस्तित्व की भावना को अपनाएँ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष के पंच-परिवर्तन में पर्यावरण को प्रमुखता दी है जो स्वावलंबन संवेदना और संस्कारों के साथ संतुलित जीवनशैली की ओर ले जाता है। वायु प्रदूषण के नियंत्रण हेतु सरकार नागरिक समाज और प्रत्येक व्यक्ति को एकजुट होकर कार्य करना होगा सार्वजनिक परिवहन बढ़ाना इलेक्ट्रिक वाहन अपनाना पराली का वैज्ञानिक प्रबंधन वनीकरण औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण और व्यक्तिगत स्तर पर पटाखों व चूल्हों के धुएँ को कम करना होगा। राष्ट्रांग होने के नाते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में स्व के भाव को जागृत करते हुए प्रदूषण नियंत्रण हेतु इसे जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। हम समय रहते सनातन संस्कृति के पर्यावरण प्रेम को जीवन में उतारें तभी आने वाली पीढ़ियाँ शुद्ध वायु में सांस ले सकेंगी।

मसूरी में 600 प्रशिक्षु आईएएस और एक सवाल

दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाला यह सीधा-सा सवाल प्रशिक्षुओं के लिए अप्रत्याशित सिद्ध हुआ। कई प्रशिक्षु अधिकारी प्रश्न में उलझ गए, जबकि समाधान उंगलियों पर किया जा सकता था। बाद में स्वयं राजनाथ सिंह ने इसे सरल तरीके से हल कर समझाया। यह घटना भले ही साधारण प्रतीत हो, पर प्रशासनिक प्रशिक्षण और नेतृत्व क्षमता की वास्तविक दिशा पर यह बेहद महत्त्वपूर्ण संकेत देती है।

डॉ प्रियंका सौरभ

उंगलियों पर हल होने वाला सवाल और भविष्य के प्रशासकों की तैयारी का सच

मसूरी से उठता सवाल- क्या हमारी प्रशासनिक शिक्षा केवल पुस्तकीय हो गई है मसूरी में 600 प्रशिक्षु और एक सवाल जिसने सबको सोचने पर मजबूर किया। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी का वास्तविक लक्ष्य- 'थिंकिंग एडमिनिस्ट्रेटर' तैयार करना। प्रशिक्षण का अर्थ केवल पाठ नहीं।

मसूरी की कक्षाओं में उठा एक छोटा-सा सवाल, बड़ी सीख। प्रशासनिक प्रशिक्षण का आईना- जब लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में एक साधारण सवाल ने बड़ा संदेश दिया। उत्तराखंड के मसूरी में 100वाँ फाउंडेशन कोर्स और नेतृत्व की बुनियादी समझ पर गहरा संकेत।

उत्तराखंड के शांत, अनुशासित और सुसंस्कृत वातावरण में स्थित मसूरी का प्रसिद्ध प्रशासनिक अकादमी परिसर-लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी-देश के सर्वोच्च सिविल सेवकों के निर्माण का केंद्र बिंदु है। यहाँ आज भी 600 से अधिक प्रशिक्षु अधिकारी भविष्य के भारतीय प्रशासन की रूपरेखा तय करने की तैयारी में डटे हैं। हाल ही में 100वें फाउंडेशन कोर्स का समापन समारोह आयोजित किया गया, जो किसी भी संस्थान के लिए गौरव का क्षण होता है। इस अवसर पर देश

के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ा दी।

समारोह के दौरान रक्षा मंत्री ने एक सरल-सा गणितीय प्रश्न पूछा- एक आदमी के पास कुछ पैसे थे। उसने आधा ए को, एक-तिहाई बी को और शेष 100 रुपये सी को दिए। बताइए, कुल पैसा कितना था

प्रशासनिक कार्यों का मूल तत्व केवल कानून और नियमों का ज्ञान नहीं, बल्कि तुरंत समझने, तर्क लागू करने और व्यवहारिक समाधान निकालने की क्षमता है। कभी-कभी सबसे कठिन परिस्थितियों में सर्वाधिक सरल समाधान ही सर्वश्रेष्ठ होता है-पर इसके लिए मन का खुलापन और व्यावहारिक सोच आवश्यक होती है। यही गुण एक सक्षम प्रशासक को भीड़ से अलग करता है।

यह घटना इस बात का स्मरण भी कराती है कि सिविल सेवा केवल अकादमिक बौद्धिकता का अभ्यास नहीं है; यह मानव स्वभाव, सामाजिक व्यवहार, त्वरित निर्णय-क्षमता और सामान्य समझ की माँग भी करती है। किसी भी शासन प्रणाली में सबसे प्रभावशाली अधिकारी वही होता है जो जटिल समस्याओं को सरलता से हल करने की क्षमता रखता हो।

प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि व्यवहारिक बुद्धि का विकास भी है। एक छोटा सा प्रश्न प्रशिक्षुओं को यह याद दिलाता है कि वास्तविक प्रशासन वही है जो खेत-खलिहान, बाज़ार, थाने, पंचायत भवन और कार्यालयों में घटित होता है-जहाँ जटिलताएँ कम और सादगी अधिक काम आती है।

राजनाथ सिंह द्वारा पूछा गया प्रश्न प्रशासनिक सोच के दो महत्त्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करता है-

पहला, अधिकारी का ध्यान समस्या के मूल की ओर होना चाहिए, न कि उसकी सतही जटिलता की ओर।

दूसरा, किसी भी चुनौती में घबराना नहीं, बल्कि उसे विभाजित कर सरल रूप में हल करना चाहिए।

सिविल सेवाओं में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब अधिकारी को अचानक लिए गए निर्णयों के आधार पर जनता को राहत, दिशा और सुरक्षा प्रदान करनी होती है। यदि वह क्षणिक दबाव में भी सामान्य तर्क बनाए रखने में दक्ष है, तो वह बेहतर प्रशासक बन सकता है।

यह प्रसंग इस व्यापक प्रश्न को भी जन्म देता है कि आधुनिक प्रशिक्षण पद्धति कहीं अत्यधिक तकनीकी, सैद्धांतिक या औपचारिक तो नहीं हो गई है क्या हम प्रशासन के मूल तत्व-सरलता, संवेदनशीलता और सामान्य विवेक-को नजरअंदाज तो नहीं कर रहे

सिविल सेवा का इतिहास बताता है कि देश के श्रेष्ठ अधिकारी वही रहे, जिन्होंने अत्यधिक बुद्धि के साथ-साथ सरल सोच, जन-संपर्क की क्षमता और सहज निर्णय-प्रक्रिया अपनाई। आज जब देश नई चुनौतियों-प्रौद्योगिकी, जटिल प्रशासनिक व्यवस्था, विस्तृत जनसंख्या और त्वरित परिवर्तनों-से गुजर रहा है, तब एक प्रशासक की भूमिका और भी विस्तृत और बहुआयामी हो चुकी है।

ऐसे समय में यह आवश्यक है कि प्रशिक्षण केवल परीक्षाओं और पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न हो। उसमें व्यवहारिक गणित, तर्कशक्ति, सामान्य समझ, मनोवैज्ञानिक संतुलन और परिस्थितिजन्य विश्लेषण को भी समुचित स्थान मिले।

राजनाथ सिंह द्वारा हल्का-सा पूछा गया यह प्रश्न प्रशासनिक तंत्र को यह संदेश देता है कि नेतृत्व की असल परीक्षा कभी-कभी छोटे-छोटे क्षणों में ही होती है। बड़े निर्णयों का आधार भी वही अधिकारी बनता है जो बेसिक समझ को खोने नहीं देता।

इस प्रसंग से यह भी स्पष्ट होता है कि प्रशिक्षण के दौरान आने वाले ऐसे अप्रत्याशित प्रश्न अधिकारी के मन को गति देते हैं, उसे दबाव में सोचने की क्षमता प्रदान करते हैं और वास्तविक प्रशासनिक दुनिया के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हैं। समय के साथ यह आवश्यक हो गया है कि सिविल सेवा प्रशिक्षण अकादमियाँ इस प्रकार के संवाद, प्रश्न-आधारित परीक्षण और व्यवहारिक अभ्यास को और भी अधिक बढ़ाएँ। इससे अधिकारी न केवल जनसेवा के लिए अधिक तैयार होंगे बल्कि प्रशासनिक जटिलताओं को सहजता से हल करने की क्षमता भी विकसित करेंगे।

निष्कर्षतः, मसूरी में घटित यह छोटा-सा घटना क्रम इस बात का प्रतीक है कि नेतृत्व की ताकत केवल बड़े भाषणों या उच्च ज्ञान में नहीं, बल्कि सरल तर्क और मौलिक समझ में भी निहित होती है। सिविल सेवा के भविष्य को आकार देने वाले प्रशिक्षुओं के लिए यह एक स्मरणीय संदेश है-प्रशासन की महानता सरलता में है, न कि जटिलता में।

नव-निर्वाचित सरपंचों को जल जीवन मिशन की बारीकियों से दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र भरतपुर में नव-निर्वाचित सरपंचों के लिए आयोजित 03 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जल जीवन मिशन पर केंद्रित एक अत्यंत महत्वपूर्ण सत्र संपन्न हुआ। इस सत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विशेषज्ञों ने जल जीवन मिशन योजना के संचालन और संधारण से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी राजपत्र में वर्णित प्रावधानों की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाली हस्तांतरण प्रक्रिया,

पेयजल आपूर्ति प्रणाली के प्रमाणीकरण एवं सत्यापन की अनिवार्यताओं को सरल और चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सतत, गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने में ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों ने जल गुणवत्ता परीक्षण की अनिवार्यता, पेयजल व्यवस्था के नियमित रख-रखाव, समुदाय की सहभागिता और जल संरक्षण की आवश्यकता पर भी विस्तृत चर्चा की। प्रतिभागियों को बताया गया कि जल जीवन मिशन की सफलता न केवल तकनीकी प्रणाली के सुचारू संचालन पर निर्भर करती है, बल्कि ग्राम स्तर पर जागरूकता, पारदर्शिता और समुदाय के सहयोग पर भी आधारित है।

सत्र के दौरान उपस्थित सभी सरपंचों ने प्रशिक्षण के प्रति विशेष उत्साह प्रदर्शित किया और प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने ग्राम पंचायतों में प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने माना कि जल जीवन मिशन से संबंधित तकनीकी एवं प्रशासनिक समझ सामाजिक विकास एवं बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 60 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया था ।

खरीफ विपणन 2025-26 किसान सूर्य प्रताप सिंह का अनुभव बना मिसाल, मिली पारदर्शी और सम्मानजनक खरीदी व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 इस बार किसानों के लिए उम्मीद, विश्वास और बेहतर व्यवस्था का नया अध्याय लेकर आया है। ग्राम मेन्ड्रा के किसान सूर्यप्रताप सिंह का सकारात्मक अनुभव इसका प्रमाण है, जिन्होंने कोड़ा उपार्जन केंद्र में धान बेचने के दौरान पूरी प्रक्रिया को सहज, पारदर्शी और किसान-सम्मान की भावना से भरपूर पाया। सूर्यप्रताप सिंह बताते हैं कि उपार्जन केंद्र पहुंचते ही उन्हें वातावरण पिछले वर्षों से बिल्कुल अलग महसूस हुआ। केंद्र परिसर साफ-सुथरा था, किसानों के लिए सुव्यवस्थित कतारें, पर्याप्त बारदाना, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और कर्मचारियों की तत्परता ने उन्हें प्रभावित किया। वे कहते हैं कि जहां पहले खरीदी के दौरान अव्यवस्था, भीड़ और समय की बर्बादी जैसी दिक्कतें होती थीं, वहीं इस बार संपूर्ण प्रक्रिया सुगम, समयबद्ध और पारदर्शी रही।

विशेष रूप से उल्लेखनीय यह रहा कि उनका टोकन ऑनलाइन नहीं कटा था, फिर भी केंद्र में मौजूद अधिकारियों ने बिना किसी परेशानी के उनकी खरीदी की प्रक्रिया पूर्ण कराई। किसानों के प्रति यह संवेदनशीलता व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा घोषित 3100 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी सीमा को किसान हित में बड़ा कदम बताया। उनके अनुसार यह निर्णय किसानों को आर्थिक सुरक्षा और उनके परिश्रम का सही मूल्य प्रदान करता है।

केंद्र की व्यवस्था से प्रभावित सूर्य प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष की खरीदी व्यवस्था ने साबित कर दिया है कि सरकार वास्तव में किसान-केंद्रित फैसले ले रही है। उनका अनुभव अब क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रहा है। कोड़ा उपार्जन केंद्र की पारदर्शी व्यवस्था इस बात का उदाहरण है कि संवेदनशील नीतियाँ जब जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू होती हैं, तो कृषि केवल आजीविका नहीं बल्कि सम्मान और प्रगति का माध्यम बन जाती है।

कांग्रेस आज करेगी डीएफओ कार्यालय घेराव, अनियमितताओं पर जिला वन अधिकारी को हटाने की मांग; अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी वन विभाग के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेगी। कांग्रेस डीएफओ कार्यालय का घेराव कर डीएफओ को हटाने की मांग करेगी। पार्टी का आरोप है कि जिले में वन विभाग की ओर से लगातार अनियमितताएं बरती जा रही हैं, जिससे आमजन परेशान हैं।

कांग्रेस ने बैगा जनजाति पर अन्याय, जंगलों में अवैध कटाई और तस्करी, वन्यजीवों की सुरक्षा में लापरवाही तथा विभागीय अधिकारियों के मनमाने रवैये का आरोप लगाया है। जिला कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने बताया कि 9 दिसंबर को दीनदयाल चौक से विशाल रैली निकाली जाएगी, जो डीएफओ कार्यालय मनेंद्रगढ़ का घेराव करेगी।

बैगा परिवारों के घर तोड़ने पर कांग्रेस का आरोप: जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने वन विभाग पर बैगा जनजाति के परिवारों के घरों को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने इस कृत्य को अमानवीय और गैरकानूनी बताते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को न्याय मिलने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा हेतु उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगर पंचायत खोंगापानी कार्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्य की प्रगति और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हेतु निकाय के जनप्रतिनिधियों, बीएलए, बीएलओ तथा अधिकारी/कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने चल रहे पुनरीक्षण कार्य की महत्ता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता ही निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता की आधारशिला है।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों तथा बीएलए को सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए स्वच्छ एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में सहयोग देने की अपील की। साथ ही बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों और कठिनाइयों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण एवं सटीक पुनरीक्षण कार्य सुनिश्चित किया जाए, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (सामान्य निर्वाचन), मुख्य नगरपालिका अधिकारी, अधीक्षक (सामान्य निर्वाचन), प्रोग्रामर, नगर पंचायत अध्यक्ष, पार्षदगण, राजनीतिक दलों के बीएलए, तथा संबंधित मतदान केंद्रों के बीएलओ उपस्थित रहे।

जिला कौशल समिति की बैठक में नए ट्रेड खोलने एवं औद्योगिक सहयोग को लेकर लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा स्थानीय उद्योगों से जोड़कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) में नये आधुनिक ट्रेड प्रारंभ करने, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन एवं संलग्नीकरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

साथ ही एनएपीएस के तहत जिले में संचालित उद्योगों को जोड़ने, प्रशिक्षणार्थियों को उद्योगों का भ्रमण करवाने तथा अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के संबंध में भी निर्णय लिये गये। समिति ने प्रशिक्षणार्थियों में सृजनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से अनुपयोगी रॉ मटेरियल से उपयोगी सामग्री तैयार करने की पहल को प्रोत्साहन देने पर सहमति प्रदान की। इस अवसर पर महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र शिवपुरी, सहायक आयुक्त (मंडल संयोजक) आदिवासी विकास, जिला रोजगार अधिकारी, लीड बैंक मैनेजर, नगर पालिका निगम/मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवपुरी, द ग्वालियर फॉरेस्ट प्रोडक्ट लिमिटेड, मेसर्स जी.जी. वायर नेल्स, तथा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था शिवपुरी के प्राचार्य एवं सदस्य सचिन कौरव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लास नव भारत साक्षरता अभियान के तहत नवसाक्षर परीक्षा का निरीक्षण, सहायक संचालक ने शिक्षार्थियों को दिया प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। उल्लास नव भारत साक्षरता अभियान 2025-26 के तहत नवसाक्षर शिक्षार्थियों के लिए आयोजित परीक्षा का निरीक्षण सरगुजा संभाग के सहायक संचालक जितेंद्र कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। गुप्ता आज एमसीबी जिले के विकासखंड मनेंद्रगढ़ के संकुल केंद्र नागपुर अंतर्गत स्थित शासकीय माध्यमिक शाला हर्रा में पहुंचे, जहाँ परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही थी।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा कक्षों का बारीकी से अवलोकन किया तथा व्यवस्था के संबंध में उपस्थित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। परीक्षा में बैठे कुल 24 नवसाक्षर शिक्षार्थियों से उन्होंने आत्मीयता पूर्वक संवाद स्थापित किया। उन्होंने सभी

नवसाक्षरों को शिक्षा की दिशा में किए जा रहे उनके सराहनीय प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने बताया कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने की क्षमता ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का सशक्त मार्ग है।

श्री गुप्ता ने शिक्षार्थियों को नियमित अध्ययन करने एवं आगे भी शिक्षा की यात्रा निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नवभारत साक्षरता अभियान का उद्देश्य समाज में शिक्षा का प्रकाश फैलाना और प्रत्येक व्यक्ति को ज्ञान के माध्यम से सशक्त बनाना है, जिसमें नवसाक्षरों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। इस निरीक्षण के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार पांडे एवं सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र प्रसाद पांडे भी उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र की व्यवस्था का अवलोकन करते हुए नवसाक्षरों को प्रोत्साहित किया और अभियान को सफल बनाने हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

पीड़ित के परिजन को 16 हजार की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्राकृतिक आपदा में पीड़ितों के परिजनों को सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6(ग)(1) के अंतर्गत तहसील मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत हर्रा, निवासी ललित कुमार साहू की आकाशीय बिजली गाज गिरने से हुई दुर्घटना के पश्चात उनके वारिस श्री उर्दयाली को 16 हजार रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। यह सहायता राशि पीड़ित परिवार को आपदा की कठिन घड़ी में संबल प्रदान करने हेतु शासन द्वारा प्रदत्त राहत उपायों के अंतर्गत दी गई है। स्वीकृत राशि का व्यय मांग संख्या-58 के मुख्य शीर्ष-2245 प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में विकलनीय होगा।

जिले में उर्वरक वितरण हेतु ई-विकास प्रणाली के संबंध में निजी उर्वरक विक्रेताओं की बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सभी किसान भाईयों को उर्वरक सुगमता पूर्वक वितरण करने हेतु कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवीन ई-विकास प्रणाली अंतर्गत उर्वरक वितरण के संबंध में दिशा निर्देश दिए एवं प्रक्रिया से अवगत कराया गया। बैठक में उपसंचालक कृषि पान सिंह करौरिया सहित अन्य अधिकारी एवं निजी उर्वरक विक्रेता शामिल हुए।

कलेक्टर चौधरी ने सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं को जिले में खाद वितरण हेतु चालू की गई E-TOKEN प्रणाली को सुगम बनाने हेतु म.प्र.शासन द्वारा निर्मित ई-विकास प्रणाली अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा ई-टोकन व्यवस्था अंतर्गत क्यूआर वाला प्रथम चरण तो पूर्ण कर लिया है। इस प्रक्रिया के तहत किसानों द्वारा ई-टोकन हेतु पंजीयन कराया जाएगा। जिसमें किसान अपने नजदीकी निजी उर्वरक विक्रेता की जानकारी भी देगें। इसके बाद किसान को ई टोकन प्राप्त होगा। उस टोकन को किसान संबंधित निजी उर्वरक विक्रेता के पास ले जाकर अपना उर्वरक का उठाव कर सकेगा। संबंधित निजी उर्वरक विक्रेता के पास संबंधित किसान का उर्वरक तीन दिवस तक रिर्जव रहेगा। इस समय अवधि में यदि किसान उस उर्वरक विक्रेता के पास जाकर अपने खाद का उठाव नहीं करता है तो वह पंजीयन रद्द हो जाएगा। इसके उपरांत यदि किसान को पुन: खाद चाहिए तो उसे फिर से पंजीयन कराना होगा।

उन्होंने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष से इस वर्ष किसान को अधिक खाद दिया गया है। जिले में किसान को खाद का वितरण अब टोकन के द्वारा ही किया जाएगा। उन्होंने निजी उर्वरक विक्रेताओं को बताया कि यदि किसान उर्वरक खरीदने हेतु सीधा उर्वरक दुकान पर जाता है, तो उसे बताए कि पहले ई टोकन प्रणाली से पंजीयन कराईए इसके उपरांत आपको ई-टोकन का वितरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पंजीयन करने के लिए किसान सबसे पहले पोर्टल पर अपने आधार और मोबाइल नंबर से लॉगिन करेगा। पंजीकरण किसानों का अपना आधार नम्बर एग्री स्टेक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। फार्मर आईडी पर रकबा एवं फसल की जानकारी अपडेट होना आवश्यक है। इसके बाद कृषक की जमीन, फसल और गाँव से जुड़ी मूल जानकारी पोर्टल पर प्रदर्शित होगी जिसे कृषक ओटीपी द्वारा वेरिफाई कर आगे बढेगा एवं आवश्यकतानुसार खाद हेतु टोकन जनरेट कर सकता है। किसान अपनी सुविधानुसार पंजीयन हेतु एम.पी. ऑन लाईन एवं सी.एस.सी सेंटर पर जाकर भी अपना पंजीयन करवा सकते हैं।

कलेक्टर ने विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ किया बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के अनुक्रम में अर्हता 01 जनवरी 2026 के संबंध में चलाये जा रहे निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के संबंध में संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है एवं उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में Enumeration form Uncollectable (Death, Permanent Shifting, Absent) की जानकारी के संबंध में उपस्थित प्रतिनिधियों से चर्चा किया गया। विधानसभा क्षेत्र 01 भरतपुर-सोनहत एवं 02 मनेंद्रगढ़ के जिन मतदान केंद्रों में Enumeration form Uncollectable है, उनकी सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रदान की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिदार के द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया गया कि आप सूची अनुसार मतदान केंद्रों में निरीक्षण कर मतदाताओं का सत्यापन करा लें, ताकि पता चल सके कि BLO के द्वारा सही मैपिंग किया गया है या नहीं। सभी BLO को निर्देशित करने हेतु आग्रह किया गया ताकि यह सत्यापित हो सके कि सूची अनुसार मतदाता जो Uncollectable form कैटेगरी में मार्क हुए हैं वह सही है

या नहीं। विधानसभा क्षेत्र 01 भरतपुर-सोनहत में 14034 मतदाता तथा 02 मनेंद्रगढ़ में 18,035 मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के संबंध में political दलों के साथ हुई बैठक संपन्न। भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के अनुक्रम में अर्हता 01 जनवरी 2026 के संबंध में चलाये जा रहे निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के संबंध में संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है एवं उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में Enumeration form Uncollectable (Death, Permanent Shifting, Absent) की जानकारी के संबंध में उपस्थित प्रतिनिधियों से चर्चा किया गया। विधानसभा क्षेत्र 01 भरतपुर-सोनहत एवं 02 मनेंद्रगढ़ के जिन मतदान केंद्रों में Enumeration form Uncollectable है, उनकी सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रदान की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार सिदार के द्वारा राजनीतिक के प्रतिनिधियों से आग्रह किया गया कि आप सूची अनुसार मतदान केंद्रों में निरीक्षण कर मतदाताओं का सत्यापन करा लें ताकि पता चल सके कि BLO के द्वारा सही मैपिंग किया गया है या नहीं। सभी BLO को निर्देशित करने हेतु आग्रह किया गया ताकि यह सत्यापित हो सके कि सूची अनुसार मतदाता ncollectable की श्रेणी में मार्क हुए हैं। अत: ऐसे मतदाताओं को गणना फार्म भरकर प्रारंभिक प्रकाशन के पूर्ण होने पर BLO के पास जमा कर दें। विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति, Enumeration form डिजिटाइजेशन की प्रगति के संबंध में अवगत कराया गया। विधानसभा क्षेत्र भरतपुर में आज 11 बजे तक 144161 (99.95%) एवं 02 मनेंद्रगढ़ में 137067 (99.5%) फॉर्म डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष फार्मों को भी 16 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। बैठक में कलेक्टर के द्वारा उपस्थित प्रतिनिधियों से स्ट्रक्रके संबंध में किसी प्रकार की समस्या आ रही हो तो साझा करने हेतु आग्रह किया गया। प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि मनेंद्रगढ़ के मतदान केंद्र क्रमांक 04 के कुछ मतदाताओं के नाम में पति-पत्नी का नाम एक जैसा दर्ज है। यह जानकारी आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष ने साझा की। कलेक्टर ने ऐसे मतदाताओं की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि त्रुटि सुधार किया जा सके। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधियों ने सवाल किया कि किसी मतदाता का 2025 में अलग और 2003 में अलग नाम दर्ज है, तो उसका संशोधन कैसे होगा और आधार किस वर्ष का लिया जाएगा। संबंधित अधिकारी ने बताया कि फॉर्म 8 भरें और आधार 2025 की मतदाता सूची को माना जाएगा। वहीं कलेक्टर ने भरतपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 32, 33, 34 और 35 को अच्छे से निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इन मतदान केंद्रों में 631 लोग Uncollectable चिह्नित हैं। इस बैठक में आशीष कुमार मजूमदार जिला महामंत्री, सुरेश यादव, कांग्रेस से राजकुमार केशरवानी, हाफिज मेनन, आम आदमी पार्टी से विकास पाण्डेय, कासिम उमर के साथ सतीश द्विवेदी, उपेन्द्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

रतलाम में टैंकर की टक्कर से हादसा, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

रोड चौड़ीकरण और स्पीड ब्रेकर की मांग, 15 दिन का अल्टीमेटम

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के बांगरोद में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन डिपो के पास सोमवार सुबह टैंकर की टक्कर से एक बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आए दिन हो रहे हादसों से नाराज ग्रामीणों ने बांगरोद-रतलाम रोड पर चक्काजाम कर दिया। करीब 10.30 बजे शुरू हुआ यह प्रदर्शन प्रशासनिक अधिकारियों और इंडियन ऑयल प्रबंधन के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन को सुधार के लिए 15 दिन का समय दिया है। बांगरोद में इंडियन ऑयल का डिपो स्थित है, जहां आने-जाने वाले टैंकर ग्रामीण क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। यहां सड़क की चौड़ाई कम है। सोमवार सुबह तेज रफ्तार टैंकर ने बाइक चालक को टक्कर मार दी। इस घटना से गुस्साए ग्रामीण सुबह 10.30 बजे बांगरोद से रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर धरने पर बैठ गए और रास्ता जाम कर दिया।

रोड चौड़ीकरण और स्पीड ब्रेकर की मांग: ग्रामीणों का कहना है कि टैंकरों के कारण क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग रखी कि रोड का चौड़ीकरण किया जाए और दोनों किनारों पर खाली जगहों में मिट्टी डालकर समतल किया जाए। इसके अलावा, रास्ते में आ रही अनावश्यक पेड़ की डालियां हटाई जाएं, स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं ताकि रफ्तार कम हो और अंधेरे को दूर करने के लिए स्ट्रीट लाइट लगाई जाए।

अधिकारियों के आश्वासन पर खत्म हुआ जाम: चक्काजाम की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार संदीप इवने, नामली थाना प्रभारी गायत्री सोनी और बांगरोद चौकी प्रभारी मुकेश यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इंडियन ऑयल डिपो के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया गया। काफी देर तक समझाइश और अधिकारियों द्वारा आश्वासन देने के बाद ग्रामीण सड़क से हट गए।

15 दिन में समाधान नहीं हुआ तो फिर आंदोलन: भाजपा मंडल महामंत्री शोनु समोत्रा ने बताया कि आए दिन टैंकरों की ओवर स्पीड के कारण ग्रामीण क्षेत्र में हादसे होते हैं। सोमवार सुबह भी एक बाइक को स्पीड में टैंकर ने टक्कर मारी है। अधिकारियों ने 15 दिन का आश्वासन दिया है। मांगें नहीं मानी गईं तो फिर से आंदोलन करेंगे। वहीं, चौकी प्रभारी मुकेश यादव ने बताया कि सड़क मार्ग पर ग्रामीणों की स्थानीय समस्या थी, जिसे अधिकारियों के आश्वासन पर खत्म करा दिया गया है। प्रदर्शन में मंडल उपाध्यक्ष देवेंद्रसिंह शेखावत, जनपद सदस्य हरीश पटेल, आशीष धाकड़, संजय पाटीदार आदि शामिल रहे।

खंडवा को नई ट्रेन की सौगात, काशी एक्सप्रेस को ठहराव

नांदेड़ से टनकपुर के लिए चलेगी वीकली ट्रेन, उत्तराखंड जाना होगा आसान

खंडवा, एजेंसी। खंडवा रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। रेल मंत्रालय ने हुजूर साहिब नांदेड़ से टनकपुर के बीच नई साप्ताहिक ट्रेन (17631/32) चलाने की घोषणा की है, जिसका खंडवा में भी स्टॉपेज होगा। यह ट्रेन खंडवा से उत्तराखंड की ओर सीधी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इसके साथ ही काशी एक्सप्रेस के ठहराव को लेकर भी बड़ी राहत दी गई है।

नांदेड़ से रवानगी: यह ट्रेन प्रत्येक रविवार को रात 23:40 बजे नांदेड़ से रवाना होगी। सोमवार सुबह खंडवा पहुंचेगी और मंगलवार को सुबह 5:55 बजे टनकपुर पहुंचेगी। वापसी (टनकपुर से): वापसी में यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को सुबह 9:00 बजे टनकपुर से रवाना होगी। बुधवार सुबह खंडवा पहुंचेगी और शाम 16:30 बजे नांदेड़ पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव: नई ट्रेन के रूट में कई प्रमुख शहर शामिल हैं। यह ट्रेन हुजूर साहिब नांदेड़, पूर्णा, बसमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, मलकापुर, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, ललितपुर, झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, कासगंज, बदायूं, बरेली जंक्शन, इज्जतनगर, पीलीभीत और टनकपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

काशी एक्सप्रेस का 2 स्टेशनों पर ठहराव बहाल: यात्रियों की मांग को देखते हुए ट्रेन संख्या 15017/18 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गोरखपुर काशी एक्सप्रेस का ठहराव खंडवा-इटारसी रूट पर आने वाले दो छोटे स्टेशनों पर मंजूर किया गया है।

भोपाल डीआरएम पंकज त्यागी ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल को पत्र भेजकर इन स्टेशनों पर स्टॉपेज की मंजूरी की जानकारी दी है। इससे स्थानीय ग्रामीणों और अप-डाउन करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

इटारसी में गजपुर रेलवे ट्रैक पर युवक का मिला शव

पॉइंट्समैन की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की; शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

इटारसी, एजेंसी। रविवार सुबह इटारसी के ग्राम गजपुर के पास डाउन रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला। यह घटना खंबा नंबर 760/26-28 के करीब सुबह 6:57 बजे सामने आई। प्राथमिक जांच में इसे रेल दुर्घटना का मामला माना जा रहा है। गुर्रा स्टेशन के पॉइंट्समैन दीपक कहार (40) ने रेल मार्ग की नियमित पेट्रोलिंग के दौरान ट्रैक के किनारे शव देखा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना रामपुर गुर्रा पुलिस को दी। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष अनुमानित है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा: सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, मृतक की पहचान, ट्रैक पर पहुंचने का कारण और हादसे की परिस्थितियों की जांच जारी है। शव की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आसपास के थानों और रेलवे विभाग को भी जानकारी भेजी गई है।

सर्द हवाओं से ठिठुरा सागर, पारा 9 डिग्री रिकॉर्ड

आसमान में हल्के बादल छाए, दो दिन और बढ़ेगी कड़ाके की सर्दी

सागर, एजेंसी। सागर में ठंड का असर बढ़ गया है। उत्तर से लगातार बर्फीली हवाएं आ रही हैं, इस वजह से रात के साथ दिन में भी ठंड का असर बढ़ा है। तापमान में गिरावट आई है। अचानक बढ़ी सर्दी ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। सुबह और रात के समय ठंडी हवाएं लोगों को घरों में रहने मजबूर कर रही हैं। दोपहर में तेज धूप खिल रही है, लेकिन इसका असर नहीं हो रहा है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम पारा 11 डिग्री के आसपास बना हुआ है। दिसंबर माह की शुरुआत से ही ठंड ने अपने तेवर दिखाना शुरू किए हैं। न्यूनतम पारा शुक्रवार रात 9 डिग्री पर पहुंच गया था। रविवार को दिन में आसमान में हल्के बादलों की आवाजाही रही। रात में ठिठुराने वाली सर्दी से लोग परेशान रहे। कंपकंपा देने वाली सर्दी के बीच वातावरण में धुंध का भी असर देखने को मिला।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के कारण से पहाड़ी राज्य-हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर में बर्फबारी व बारिश हुई है। यहां से सर्द हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही हैं। इस कारण से सर्दी का असर बढ़ा है। आगामी 2 दो दिनों तक तेज सर्दी पड़ सकती है।

दिसंबर-जनवरी में पड़ेगी कड़ाके की ठंड: मौसम जानकारों के अनुसार, जिस तरह मानसून के चार महीने में से दो महीने महत्वपूर्ण होते हैं। ठीक उसी प्रकार से दिसंबर और जनवरी माह कड़ाके की सर्दी के लिए होते हैं। इस दौरान कड़ाके की ठंड पड़ती है। इन्हीं दो महीनों में प्रदेश में उत्तर भारत से सर्द हवाएं ज्यादा आती हैं। इसलिए तापमान में गिरावट आती है। सर्द हवाएं भी चलती हैं।

झाबुआ में किसानों ने पकड़ा दो टमाटर चोर, अन्य फरार

लगातार चोरी से परेशान होकर चौकी घेरकर कार्रवाई की मांग की

झाबुआ,एजेंसी। झाबुआ जिले के खवासा चौकी क्षेत्र में देर रात किसानों ने टमाटर चोरी करते हुए दो लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। चोरों को लेकर किसान जैसे ही चौकी पहुंचे, वहां बड़ी संख्या में किसान एकत्रित हो गए और लगातार हो रही चोरियों के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर दिया।

किसानों का आरोप है कि उनके खेतों से लगातार फसलें, पानी की मोटरें, पाइप और अन्य कृषि उपकरण चोरी हो रहे हैं। उनका कहना था कि बार-बार शिकायत के बावजूद चोर पकड़े नहीं जा रहे थे, जिससे उनमें भारी आक्रोश था। दशरथ पिता रुपाजी पाटीदार ने बताया कि देर शाम जब वे अपने खेत पहुंचे, तो उन्होंने लगभग पांच लोगों को टमाटर ले जाते देखा। उनके शोर मचाने पर उनका पुत्र और आसपास के अन्य किसान भी मौके पर पहुंच गए। चोर भागने लगे, लेकिन किसानों ने टिंकू पिता धीरजी डाबी (निवासी कदवाली) और पंकेश पिता शेखर भूरिया (निवासी नगरी) को पकड़ लिया। अन्य चोर भागने में सफल रहे। किसानों ने पकड़े गए चोरों के साथ कुल 50 किलोग्राम टमाटर और दो मोटरसाइकिलें खवासा चौकी को सौंप दीं। इस दौरान किसानों ने चोरों पर तत्काल कार्रवाई और उनसे अन्य चोरियों के बारे में पूछताछ की मांग की। करीब एक घंटे से अधिक समय तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने इस मामले में प्रकरण क्रमांक 157/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303 (2) में मामला दर्ज किया, जिसके बाद किसान शांत हुए। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छतरपुर में 8 साल की बच्ची ने सिक्का निगला, डॉक्टर ने बिना ऑपरेशन 2 मिनट में निकाला; अब तक 416 सिक्के निकाल चुके

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जिला अस्पताल में रविवार देर शाम 8 वर्षीय बच्ची के गले में फंसा 5 रुपए का सिक्का बिना ऑपरेशन के निकाल लिया गया। मुगवारी गांव की रहने वाली शिवांगी साहू खेलते समय सिक्का निगल गई थी, जो उसकी आहार नली में अटक गया था। सर्जन डॉ. मनोज चौधरी ने एक विशेष तकनीक का इस्तेमाल कर महज 2 मिनट में सिक्का बाहर निकाल दिया। बच्ची अब पूरी तरह सुरक्षित है। सिक्का निगलने के बाद बच्ची कुछ भी पी नहीं पा रही थी और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी थी। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। ड्यूटी पर मौजूद डॉ. मनोज चौधरी ने रबर ट्यूब (यूरिन लाइन) को नाक के रास्ते आहार नली तक पहुंचाया। इसमें हवा भरकर बेहद सावधानी से सिक्के को ऊपर की ओर खिसकाया गया। यह पूरी प्रक्रिया 2 मिनट में संपन्न हुई। सिक्का बाहर निकलते ही परिजनों ने राहत की सांस ली।

अब तक 416 सिक्के निकाल चुके हैं डॉक्टर: डॉ. चौधरी ने बताया कि वे पिछले कुछ सालों में इसी तकनीक से अब तक 416 सिक्के निकाल चुके हैं। खास बात यह है कि वे इसके लिए कोई शुल्क (Fees) नहीं लेते, बल्कि एक परंपरा के रूप में सिर्फ निकाला गया सिक्का अपने पास रख लेते हैं।

दिल्ली और आसपास के जिलों से आते हैं मरीज: डॉक्टर ने बताया कि उनके पास सिर्फ छतरपुर ही नहीं, बल्कि पन्ना, सतना, झांसी, महोबा, टीकमगढ़ सहित अन्य राज्यों और दिल्ली से भी मरीज आते हैं। इस तकनीक से बच्चों को बड़े ऑपरेशन और चीरा-टांके के दर्द से बचाया जाता है।

अभिभावकों से अपील-बच्चों को सिक्के न दें: डॉ. मनोज ने अभिभावकों से अपील की है कि छोटे बच्चों को खेलने के लिए सिक्के बिल्कुल न दें। थोड़ी-सी लापरवाही बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार न मिलने पर यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है।

देवास में सड़क हादसे में युवक की मौत, ड्यूटी पर जा रहा था

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर; 8 महीने के बच्चे का पिता था

देवास, एजेंसी। देवास-भोपाल बायपास पर बीती रात हुए एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना शंकरगढ़ के समीप हुई। सुमित (निवासी ग्राम थूरिया पानीगांव, हाल मुकाम चूना खदान काकड़) अपनी बाइक से ड्यूटी पर जा रहा था, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। राहगीर उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक के भाई ने बताया कि सुमित पिछले दो वर्षों से देवास में ही रह रहा था। वह यहां एक निजी कंपनी में काम करता था। बीती रात वह घर से अपनी ड्यूटी के लिए ही निकला था, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

8 महीने का बच्चा है: सुमित शादीशुदा था और उसका आठ महीने का एक छोटा बच्चा भी है। इस आकस्मिक घटना से परिवार में मातम छा गया है। सोमवार को जिला अस्पताल में मृतक का पोस्टमार्टम (PM) किया जाएगा।

राहगीर ने पहुंचाया अस्पताल: हादसे के बाद एक राहगीर वाहन चालक ने मानवता दिखाते हुए घायल सुमित को अपनी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

बैतूल में फ्लाईओवर पर दो ट्रकों की भिड़ंत एक ट्रक का ड्राइवर गंभीर घायल

अचानक ब्रेक लगाने से हादसा

बैतूल,एजेंसी। बैतूल के पंखा फ्लाईओवर पर रविवार और सोमवार की रात करीब 12 बजे दो ट्रकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, रायपुर से लोहे का भारी लोड लेकर इंदौर जा रहा एक ट्रक, अपने आगे चल रहे दूसरे ट्रक से टकरा गया। बताया जा रहा है कि आगे वाले ट्रक चालक ने अचानक फ्लाईओवर पर ब्रेक लगा दिए थे। तेज रफ्तार और भारी वजन के कारण पीछे आ रहा ट्रक नियंत्रण खो बैठा और दोनों में टक्कर हो गई।

आगे वाले ट्रक का ड्राइवर और कंडक्टर फरार: टक्कर इतनी भीषण थी कि लोहा भरे ट्रक का ड्राइवर केबिन में बुरी तरह फंस गया। राहगीरों ने काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। हादसे के बाद आगे वाले ट्रक का ड्राइवर और कंडक्टर मौके से ट्रक छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही साईखेड़ा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फोरलेन अथॉरिटी और एनएचएआई की 1033 एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंची। घायल ड्राइवर को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत बैतूल जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। उसे रात 12 बजकर 36 मिनट पर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घायल ड्राइवर की पहचान बिजादेही, चिचोली निवासी 25 वर्षीय दिनेश पिता रामदास आहके के रूप में हुई है। उसके सिर और

हरदा में चलती बाइक से गिरने से मजदूर की मौत

सिलेंडर लेकर लौट रहा था, 6 बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

हरदा, एजेंसी। हरदा जिले के छीपाबड़ थाना क्षेत्र में रविवार रात हुए एक सड़क हादसे में 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना ग्राम खमलाय और बारंगा के बीच रात करीब 9 बजे हुई। मृतक दीपचंद बघेल चलती बाइक से नीचे गिर गया था, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। सोमवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम बारंगी निवासी दीपचंद पिता भागीरथ बघेल (45) अपने साथी के साथ बाइक से बहन के घर गया था। वहां से वह खाली गैस सिलेंडर लेकर लौट रहा था। वह बाइक पर पीछे सिलेंडर पकड़कर बैठा था। रास्ते में उसे अचानक चक्कर आया और वह चलती बाइक से नीचे गिर गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम: बाइक से गिरने के कारण दीपचंद के सिर में गंभीर चोट लगी थी। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर दौड़े, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

6 बेटियों के सिर से उठा पिता का साया: परिजनों ने बताया कि दीपचंद अपने दो भाइयों में बड़ा था। वह छह बेटियों का पिता था। वह अपने माता-पिता के साथ ग्राम बारंगी में ही रहता था और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। इस घटना से परिवार में मातम छा गया है।

मजदूरी के लिए पीथमपुर जाने वाला था: परिजनों के मुताबिक, दीपचंद काम की तलाश में पीथमपुर जाने की तैयारी कर रहा था। वहां रहने और खाना बनाने के लिए ही वह बहन के घर से खाली सिलेंडर लाया था। हालांकि, इस हादसे ने उसकी सारी योजनाएं अधूरी छोड़ दीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अशोकनगर में बीजेपी नेता ने 'बाबर शौचालय' के पोस्टर लगाए

कहा- बंगाल में मस्जिद बनी तो उसे भी विवादित बाबरी ढांचे की तरह तोड़ देंगे

अशोकनगर, एजेंसी। अशोकनगर में एक सामुदायिक शौचालय पर 'बाबर शौचालय' नाम के पोस्टर लगाए गए हैं। ये पोस्टर भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष बबलू यादव और उनके साथियों ने बाईपास रोड पर स्थित नगर पालिका के बनाए शौचालय पर चिपकाए हैं।

यादव ने बताया कि यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल में विधायक हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने के विरोध में की गई है। उन्होंने बाबर को एक आक्रांता बताया।

बीजेपी नेता ने कहा-जगह-जगह शौचालयों का नाम 'बाबर शौचालय' रखेंगे: सोमवार को भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष बबलू यादव ने कहा कि वे भविष्य में अन्य शौचालयों का नाम भी 'बाबर शौचालय' रखने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बाबर के नाम पर मस्जिद बनाई जाती है, तो वे जगह-जगह शौचालयों का नाम 'बाबर शौचालय' रखेंगे।

यादव ने यह भी कहा कि एपीजे अब्दुल कलाम जैसे राष्ट्र निर्माताओं के नाम पर मस्जिद बनाने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन बाबर, अकबर और हुमायूं जैसे आक्रांताओं के नाम पर मस्जिद नहीं बनने दी जाएगी और इसका विरोध किया जाएगा।

यादव ने बाबर को आक्रांता बताते हुए कहा कि उसने भारत में तबाही मचाई थी। उन्होंने चंदेरी का उदाहरण देते हुए बताया कि बाबर के कारण रानी मणिमाला और 1600 पटरानियों को जौहर करना पड़ा था। यादव के अनुसार, बाबर ने कई मंदिरों को भी खंडित किया था।

यादव ने 6 दिसंबर को पश्चिम बंगाल में विधायक हुमायूं के बाबर नाम की मस्जिद के भूमि पूजन का जिक्र करते हुए कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जिस प्रकार 1992 में बाबरी ढांचा तोड़ा गया था, उसी प्रकार यदि वहां मस्जिद बनाई गई तो उसे भी तोड़ा जाएगा।

टी-20 सीरीजः आयरलैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीकी महिला टीम ने बनाई 2-0 से अजेय बढ़त

साउथ अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड के खिलाफ बोलैंड पार्क में रविवार को खेले गए दूसरे टी20 मैच को 65 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। दोनों देशों के बीच 5 दिसंबर को न्यूलैंड्स में सीरीज का पहला मैच खेला गया था, जिसे साउथ अफ्रीका ने 105 रन से जीता। अब दोनों देश 10 दिसंबर को बेनोनी स्थित विलोमूर पार्क में सीरीज का अंतिम मैच खेलने उतरेंगे। पार्ल में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 201 रन बनाए। सुने लूस और फेय टुनिक्लिफ की सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 78 रन जुटाए। सुने लूस 24 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से टुनिक्लिफ ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट के साथ दूसरे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 116 के स्कोर तक पहुंचाया। टुनिक्लिफ ने 42 गेंदों में 51 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। कुछ देर बाद कप्तान लौरा 22 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटीं। डेन वैन नीकेर्क ने मैरिजेन कप्प के साथ चौथे विकेट के लिए 20 गेंदों में 47 रन जुटाते हुए टीम को 124 रन तक पहुंचा दिया। नीकेर्क ने 19 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 41 रन की पारी खेली, जबकि मैरिजेन ने 16 रन बनाए। विपक्षी टीम के लिए एमी मैगुइरे ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि अर्लीन केली और ओर्ला प्रेंडरगास्ट ने 1-1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में आयरलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 3 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी। इस टीम के लिए ओर्ला प्रेंडरगास्ट ने नाबाद 51 रन बनाए, जबकि लिआ पॉल ने 40 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। साउथ अफ्रीका की तरफ से क्लो ट्रायोन ने 2 विकेट निकाले, जबकि एक विकेट नॉनकुलुलेको म्लाबा ने अपने नाम किया।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका : इकलौता बल्लेबाज, जिसके नाम टी 20 इतिहास में 500 से ज्यादा रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें 9 से 19 दिसंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। अगर दोनों देशों के टी20 आंकड़ों की बात करें तो भारत और साउथ अफ्रीका की पुरुष क्रिकेट टीम के बीच साल 2006 से अब तक कुल 31 टी20 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 18 मैच अपने नाम किए, जबकि 12 मुकाबले साउथ अफ्रीका ने जीते। इनके अलावा, एक मुकाबला ड्रॉ रहा। क्या आप उस बल्लेबाज के बारे में जानते हैं, जिसने इस बीच 500 रन के आंकड़े को छुआ है? इस खिलाड़ी का नाम डेविड मिलर है, जिसने साल 2011 से 2024 तक भारत के विरुद्ध कुल 25 टी20 मुकाबले खेले। इस दौरान मिलर ने 34.93 की औसत के साथ 524 रन जुटाए। दाएं हाथ का यह बल्लेबाज 7 पारियों में नाबाद रहा। उन्होंने भारत के विरुद्ध टेस्ट इतिहास में 1 शतक और 2 अर्धशतक लगाए। इस दौरान उनके बल्ले से 35 छक्के और 29 चौके निकले। डेविड मिलर ने भारत के विरुद्ध 2 अक्टूबर 2022 को गुवाहाटी में खेले गए टी20 मुकाबले में 106 रन की नाबाद पारी खेली थी। यह उनके टी20 करियर की सर्वोच्च पारी भी है। इसके पहले मिलर बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 101 रन की पारी भी खेल चुके थे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में रोहित शर्मा शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 2007 से 2024 के बीच 18 मुकाबलों में 26.81 की औसत के साथ 429 रन बनाए।

ISSF वर्ल्ड कप फाइनल 2025

सिमरनप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल जीता, मनु भाकर पदक से चूकी

दोहा [क़तर]। भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने ISSF वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया और जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबरी की। वहीं, ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर इस बार पदक जीतने में सफल नहीं रही।

सिमरनप्रीत की ऐतिहासिक जीत

21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने फाइनल में 41/50 का स्कोर बनाते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनका यह स्कोर दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलिंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर है। चीन की याओ चियान्शुन ने 36/50 के साथ सिल्वर मेडल और जर्मनी की डॉरेन वेनेकंप ने 30/45 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह सिमरनप्रीत का ISSF वर्ल्ड कप फाइनल में पहला पदक है, जिससे वह विश्व की शीर्ष युवा शूटिंग प्रतिभाओं में शामिल हो गई हैं।

मनु भाकर का निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं, मनु भाकर इस बार निराशा में रही। उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में नौवां स्थान प्राप्त किया और फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले, उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया था, जिससे उनका दोहा अभियान बिना पदक के समाप्त हुआ।

पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का सिल्वर

पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोज़िशन इवेंट में ओलिंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने चेक शूटर जीरी प्रिव्रात्सकी के 414.2 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर से केवल 0.9 अंकों से पिछड़कर यह पदक हासिल किया। चीन के पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट लियू युकुन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

ISSF वर्ल्ड कप फाइनल की विशेषताएं

दोहा मीट ने 2025 ISSF सीज़न का समापन किया। इस फाइनल में कुल 10 शूटरों ने भाग लिया, जिनमें क्वालिफिकेशन के आधार पर चयनित खिलाड़ी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अपने आप क्वालीफाई होते हैं, जबकि चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेताओं को सीधे जगह मिलती है। शेष पांच स्थानों में दो खिलाड़ी वर्ल्ड कप रैंकिंग और तीन ISSF वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेताओं के आधार पर चुने गए। इस फाइनल में केवल व्यक्तिगत 12 ओलिंपिक शूटिंग इवेंट (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) आयोजित किए गए, टीम

संकट में न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से 3 खिलाड़ी बाहर

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच न्यूजीलैंड की टीम संकट में है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर शेष सीरीज से बाहर हो गए हैं। राइट आर्म मीडियम बॉलर क्रिश्चियन क्लार्क को न्यूजीलैंड के खेमे में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी काफ इंजरी से जूझ रहे हैं, जबकि नाथन स्मिथ को साइड इंजरी है। ये दोनों ही खिलाड़ी क्राइस्टचर्च में सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान घायल हो गए थे। वहीं, ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर अपनी ग्रोइन की समस्या से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, ÷नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के गेंदबाज क्रिश्चियन क्लार्क वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले वेलिंगटन में टेस्ट टीम में शामिल होंगे। क्रिश्चियन आपका स्वागत है। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर वेस्टइंडीज के विरुद्ध शेष टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इन खिलाड़ियों को बहुत जल्द वापस देखने का इंतजार है।

हेनरी और स्मिथ की गैरमौजूदगी में न्यूजीलैंड की बॉलिंग यूनिट में बदलाव नजर आएगा। ब्लेयर टिकनर का वेलिंगटन में खेलना लगभग तय है। विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल भी इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे, जिन्हें क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। ऐसे में मिचेल जेम्स हे को टेस्ट डेब्यू का मौका दिया जा सकता है। स्टार ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स भी चोट से उबर गए हैं। उन्हें भी न्यूजीलैंड अपने साथ शामिल कर सकता है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 231 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम सिर्फ 167 रन पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड के पास पहली पारी के आधार पर बढ़त थी। कीवी टीम ने कप्तान टॉम लैथम (145) और रचिन रवींद्र (176) की शतकीय पारी के दम पर अपनी दूसरी इनिंग 466/8 के स्कोर पर घोषित की। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 6 विकेट खोकर 457 रन बनाते हुए मुकाबले को ड्रॉ करवाया। सीरीज के शेष 2 मैच वेलिंगटन और माउंट माउंगानुई में खेले जाने हैं।

न्यूजीलैंड की टीम÷टॉम लैथम (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, क्रिश्चियन क्लार्क, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फाउल्केस, मिच हे, डेरिल मिचेल, माइकल रे, रचिन रवींद्र, ब्लेयर टिकनर, केन विलियमसन, विल यंग।

जूनियर विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप: वेल्स के खिलाफ भारत की 3-1 से शानदार जीत

सैंटियागो, एजेंसी। एफआईएच जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप के 9/11 क्वालिफिकेशन मैच में भारत ने वेल्स के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला एस्टाडियो नेशनल के सेंट्रो डेपोर्टिवो डी हॉकी सेस्पेड में आयोजित हुआ। अब भारत 9 दिसंबर को अपने अगले मैच में उरुग्वे से भिड़ेगा। भारत ने आक्रामक अंदाज में मुकाबले की शुरुआत की। शुरुआती 30 सेकंड में ही पेनाल्टी कॉर्नर हासिल करते हुए भारत ने मोमेंटम बनाया। हालांकि, गोल करने में कामयाबी नहीं मिल सकी। मुकाबले के चौथे मिनट वेल्स ने पेनाल्टी स्ट्रोक मिस कर दिया। भारत की तरफ से एक तेज और शानदार बचाव किया गया। आखिरकार, मुकाबले के 14वें मिनट में हिना बानो ने टैप-इन से खाता खोला। यहां से भारत ने मुकाबले में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

अपनी बढ़त को दोगुना करने की कोशिश में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में पेनाल्टी कॉर्नर से दबाव बनाए रखा। टीम इंडिया लगातार गोल करने के मौके बनाती रही और आखिरकार इसमें सफलता मिली।

मुकाबले के 24वें मिनट में साक्षी राणा का पहला शॉट सुनेलिता टोप्पो के पास गया, जिन्होंने पास से गोल दागते हुए भारत को मुकाबले में 2-0 से आगे कर दिया।

भारत ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल दागते हुए 3-0 से बढ़त हासिल कर ली।

मुकाबले के 31वें मिनट इशिका ने वेल्स की गोलकीपर के रिबाउंड पर गोल किया। ज्योति सिंह की टीम ने मैच में अपनी रफ्तार बनाए रखी। भारत ने दबाव बनाकर वेल्स के डिफेंस को बार-बार भेदा। इस बीच गोल करने के कुछ मौके बने और तीसरे क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने वेल्स को अपने ही हाफ में धकेल दिया।

मुकाबले के अधिकांश समय बॉल पर कब्जा रखने के बाद, भारत ने आखिरी क्वार्टर में अपनी बढ़त मजबूत करने के लिए और गोल करने के मौके तलाशने की कोशिश की।

वेल्स को मैच के 52वें मिनट में मौका मिला। एलोइस मोआट ने टीम के लिए पहला गोल दागते हुए भारत की बढ़त कम कर दी। हालांकि, अभी भी टीम इंडिया के पास शानदार लीड थी। वेल्स के लिए यह सांत्वना गोल था, क्योंकि भारत ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए मुकाबला 3-1 से जीत लिया।

यह समान मेरे लिए सिर्फ पुरस्कार नहीं, मेरे खेल-सफर को मिली एक बड़ी प्रेरणा है : प्रतिका रावल

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। टीम की सदस्य प्रतिका रावल ने रविवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। दिल्ली सरकार की ओर से जानकारी दी गई है कि प्रतिका को 1.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रतिभावान युवा खिलाड़ी प्रतिका रावल का स्वागत किया। हमारी होनहार बेटी प्रतिका ने दिल्ली को गौरवान्वित किया है। खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट प्रदर्शन को सम्मान देते हुए दिल्ली सरकार द्वारा उन्हें 1.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतिका युवा दिल्ली की ऊर्जा, साहस और नए भारत की नारी शक्ति की सजीव छवि हैं। उनकी यात्रा यह बताती है कि दिल्ली

सपनों को केवल जन्म नहीं देती, उन्हें उड़ान भी देती है। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं। सीएम के पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए प्रतिका रावल ने रीपोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आपके सम्मान, प्रोत्साहन और स्नेह के लिए हृदय से धन्यवाद। दिल्ली सरकार द्वारा दिया गया यह सम्मान मेरे लिए सिर्फ पुरस्कार नहीं, बल्कि मेरी मेहनत, मेरे सपनों और मेरे खेल-सफर को मिली एक बड़ी प्रेरणा है। दिल्ली ने हमेशा मुझे आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया है और आज आपके हाथों मिला यह सम्मान मेरे भीतर और भी ऊर्जा, समर्पण और जिम्मेदारी भरता है। मैं वादा करती हूं कि आने वाले समय में देश और दिल्ली का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी ऊंचा उठाने के लिए पूरी लगन से मेहनत करती रहूंगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद और डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली के मार्गदर्शन और समर्थन के लिए भी आभार। आपका आशीर्वाद और विश्वास मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा प्रतिभा प्रतिका रावल का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।

हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप : सेमीफाइनल में भारत की हार, जर्मनी ने बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

चेन्नई, एजेंसी। भारत को एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में गत चैंपियन जर्मनी के हाथों 1-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अब बुधवार को खिताबी मुकाबले में जर्मनी का सामना स्पेन से होगा, जबकि इसी दिन भारतीय टीम तीसरे/चौथे स्थान के लिए अर्जेंटीना से भिड़ेगी। रविवार को खेले गए इस मुकाबले में भारत के लिए अनमोल एक्का गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे, जबकि जर्मनी की तरफ से लुकास कोसेल, टाइटस वेक्स, जोनास वॉन गेर्सम और बेन हसबैक ने गोल दागे। जर्मनी ने पहले क्वार्टर की शुरुआत मजबूती से की। हालांकि, भारत ने शुरू में दबाव बनाए रखने और गोल दागने की कोशिश की, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। मुकाबले के तीसरे मिनट में ही जस्टस वारवेग ने एक मजबूत इंटरसेप्शन किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया। 14वें मिनट में जर्मनी को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला। क्विरिन नाहर ने शॉट लिया, जिसे अंकित पाल के शरीर ने गोल के ठीक सामने रोक दिया और मेहमान टीम को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला।

तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के सामने चयन की मुश्किल, लाबुशेन ने की नेसर की तारीफ

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टीम एडिलेड में होने वाले टेस्ट मैच के लिए चयन में मुश्किल फैसले लेने के लिए तैयार है। गाबा में शानदार प्रदर्शन करने वाले माइकल नेसर को टीम में रखना है या नहीं, इस पर मंथन चल रहा है। शुरुआती दो टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया तीसरे एशेज टेस्ट में सीरीज जीतने के इरादे से उतरना चाहता है। नेसर को ब्रिसबेन में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की जगह खिलाया गया था। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर खुद को साबित किया। कप्तान पैट कमिंस एडिलेड टेस्ट में टीम में वापसी करने वाले हैं। साथ ही यह संभावना भी है कि चयनकर्ता नाथन लियोन को भी वापस बुलाएं, ताकि टीम का संतुलन एडिलेड की परिस्थितियों के अनुरूप सही बैठ सके। बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने कहा कि चयनकर्ता हमेशा वही फैसला लेते हैं जिससे टीम को जीत की ज्यादा संभावना मिले।

लाबुशेन ने बताया कि मैं चयनकर्ता नहीं हूँ, लेकिन इतना कह सकता हूं कि वे हर मैच को पूरी जानकारी के साथ देखते हैं और जानते हैं कि पिंक बॉल क्रिकेट में जीतने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। उसी आधार पर फैसला किया जाता है कि तेज गेंदबाज मददगार रहेंगे या किसी और तरह के गेंदबाज। अगर पैट कमिंस, नाथन लियोन और जोश हेजलवुड एडिलेड में वापसी करते हैं, तो कुछ खिलाड़ियों को बाहर होना पड़ेगा, जबकि गाबा टेस्ट में नेसर, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डॉगेट जैसे खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया था।

खासकर नेसर ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह प्रदर्शन लाबुशेन के लिए चौंकाने वाला नहीं था। उन्होंने कहा, ÷पुरानी गेंद से पांच विकेट लेना कमाल था। मैं पहले से उम्मीद कर रहा था कि उसे मौका मिले। पहली पारी में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन दूसरी पारी में उसने बेहतरीन खेल दिखाया। लाबुशेन ने यह भी कहा कि नेसर गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी और फील्डिंग में भी टीम के लिए बहुत योगदान दे सकते हैं। ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है। अब टीम के पास 17 दिसंबर से शुरू होने वाले एडिलेड टेस्ट से पहले एक सप्ताह से अधिक का समय है।

मेंस हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप: अर्जेंटीना को 2-1 से शिकस्त देकर स्पेन ने फाइनल में जगह बनाई

चेन्नई, एजेंसी। स्पेन ने एफआईएच मेंस हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। इस टीम ने रविवार को मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। स्पेन के शुरुआती पजेशन ने अर्जेंटीना को एक डिफेंसिव फॉर्मेशन में आने पर मजबूर कर दिया था। स्पेन के फ्रंट थ्री और मिडफील्ड के बीच लगातार पोजीशन बदलने से अर्जेंटीना का डिफेंस काफी भ्रमित नजर आया। मुकाबले के सातवें मिनट में स्पेन ने मुकाबले का पहला गोल दागकर बढ़त हासिल कर ली। गेम के पहले पेनाल्टी कॉर्नर पर अर्जेंटीना के गोलकीपर ने ब्रूनो अलीवा की पहली ड्रैग-फ्लिक को रोकने के बाद, मारियो मेना ने रिबाउंड का फायदा उठाकर गोल दागा। इसी के साथ मुकाबले में स्पेन ने 1-0 से बढ़त बना ली। 20वें मिनट में जुआन फर्नांडीज ने कप्तान टॉमस रुइज के गोल की ओर जा रहे ड्रैग-फ्लिक को डाइविंग कर रहे स्पेनिश गोलकीपर के ऊपर से बड़ी चतुराई से डिफ्लेक्ट किया, जिससे लिटिल लायंस ने मुकाबले में 1-1 से बराबरी कर ली। मुकाबले का तीसरा क्वार्टर कुछ खास नहीं रहा। इस दौरान दोनों टीमों ने दूसरे हाफ की शुरुआत सावधानी से की, लेकिन मुकाबले के अंतिम 15 मिनट ड्रामे से भरपूर रहे।

स्पेनिश डिफेंडर एविला ने चार मिनट से ज्यादा समय शेष रहते मिडलाइन के पास से बॉल वापस ली और शॉट लगाया। खुशकिस्मती से बॉल अर्जेंटीना के गोल में जाने से पहले अल्बर्ट सेरहिमा की स्टिक को छू गई। एक लंबे वीडियो रेफरल के बाद, अर्जेंटीना के गुस्से भरे विरोध के बावजूद गोल स्पेन के पक्ष में रहा। इसी के साथ स्पेन ने मुकाबले में 2-1 से बढ़त बना ली। इस बीच अर्जेंटीना के कोच, जुआन गिलार्डी ने बराबरी करने की कोशिश में गोलकीपर की जगह एक एक्स्ट्रा आउटफील्ड प्लेयर को उतारा। अर्जेंटीना को आखिरी सेकंड में एक पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर वीडियो रेफरल लैटिन अमेरिकन टीम के खिलाफ गया, जिससे स्पेन की ग्रैंड फिनाले में जगह पक्की हो गई।

रीवा रेंज में नशा तस्करी का पॉलिटिकल ब्लास्ट !

राज्यमंत्री के कथित रिश्तेदारों का नाम उछला 46 किलो गांजा बरामद, पूरे सिंडिकेट में हड़कंप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। क्या रीवा रेंज में नशा तस्करी सिर्फ एक अपराध नहीं बल्कि संगठित नेटवर्क का विशाल जाल बन चुकी है? लगातार सामने आ रही घटनाएँ और गिरफ्तारियाँ इस सवाल को और गंभीर बनाती जा रही हैं। पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से नशा तस्करी के कई मामले उजागर हुए हैं उसने न केवल पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी गहरा असर छोड़ा है।

ताज़ा मामले में रीवा रेंज के सतना जिले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 46 किलो गांजा जब्त किया है। यह कार्रवाई रामपुर बघेलान थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि एक वाहन में अवैध मादक पदार्थ की ढुलाई की जा रही है। इसके बाद टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका। तलाशी के दौरान कथित तौर पर गांजा बरामद किया गया और वाहन को जब्त कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल बागरी पिता जय प्रताप बागरी निवासी हाल भरहुत नगर हरदुआ पंकज सिंह पिता सतेंद्र सिंह निवासी मतहा के रूप में हुई है। कुछ स्थानीय सूत्र दावा करते हैं कि आरोपी अनिल बागरी एक राज्यमंत्री का कथित रिश्तेदार है। हालांकि, पुलिस ने इन दावों की किसी भी प्रकार से आधिकारिक पुष्टि नहीं की है तथा बयान जारी किया है कि मामले के प्रत्येक पहलू की जांच की जा रही है और पारिवारिक संबंधों की पुष्टि तथ्यात्मक रूप से ही होगी। जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने फरार आरोपी शैलेन्द्र सिंह पिता सुरेंद्र सिंह निवासी विराट नगर को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। शैलेन्द्र सिंह वर्तमान में बांदा जेल में बंद हैं जहाँ उन्हें कुछ दिन पहले कथित तौर पर गांजा के साथ पकड़ा गया था। दोनों मामलों के बीच कोई कड़ी है या नहीं इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही संभव होगी। फिलहाल पुलिस इस दिशा में सभी पहलुओं को खंगाल रही है।

इन घटनाओं ने मिलकर रीवा रेंज में नशा तस्करी की गहराई और सक्रियता को उजागर किया है। ग्रामीण इलाकों, हाईवे और कनेक्टिव रूट्स पर तस्करी की लगातार गतिविधियाँ सवाल उठाती हैं कि यह नेटवर्क इतना मजबूत क्यों है और लंबे समय से कैसे सक्रिय बना हुआ है?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नशा तस्करी के मामलों में कथित राजनीतिक जुड़ाव की चर्चाएँ चिंताजनक हैं। कई लोगों का आरोप है कि यदि पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, तो नेटवर्क हर बार और मजबूत होकर क्यों सामने आता है? क्या सूचना तंत्र कमजोर है? या फिर अपराधियों को कहीं न कहीं से संरक्षण मिल रहा है? हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि नशा तस्करी की समस्या सिर्फ अपराध नहीं बल्कि एक सामाजिक आपदा बन चुकी है। यह युवाओं को नशे की लत में धकेल रही है परिवारों को तोड़ रही है और समाज में अपराध को बढ़ावा दे रही है। उनका कहना है कि इस नेटवर्क को खत्म करने के लिए उच्च स्तरीय पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। इन बढ़ते आरोपों और चर्चाओं के बीच पुलिस अधिकारियों ने बयान जारी कर कहा है कि आने वाले दिनों में रीवा रेंज में विशेष अभियान चलाया जाएगा। बाहरी रूट्स हाईवे जंगल मार्ग और ग्रामीण कनेक्शन पॉइंट्स को कड़ी सुरक्षा में रखा जाएगा। पुलिस ने दावा किया है कि नशा तस्करी के इस नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की तैयारी की जा रही है और जल्द ही कई और खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल पूरा मामला जांच के अधीन है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे जैसे पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण आगे बढ़ेंगे इस नेटवर्क से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते हैं।

रीवा में एसकेएम का प्रदर्शन, किसानों ने बीज विधेयक 2025 की प्रतियाँ जलाईं; वापसी की मांग तेज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के राष्ट्रीय आह्वान पर सोमवार को रीवा में किसानों ने कमिश्नरी कार्यालय के सामने बीज विधेयक 2025 के मसौदे की प्रतियाँ जलाकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन का नेतृत्व मोर्चे के नेता शिव सिंह ने किया।

उन्होंने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 12 नवंबर 2025 को जारी यह मसौदा पुराने बीज अधिनियम 1966 को बदलने के उद्देश्य से लाया गया है, जिसमें गुणवत्ता नियंत्रण और चुनिंदा अपराधों पर कड़ी दंड व्यवस्था की बात कही गई है। लेकिन एसकेएम का आरोप है कि यह विधेयक 'प्रतिगामी' है और इससे भारतीय बीज क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों और कॉर्पोरेट का वर्चस्व बढ़ेगाजिससे खाद्य सुरक्षा, बीज संप्रभुता और राज्यों के अधिकार कमजोर होंगे।

मोर्चे ने दावा किया कि विधेयक के लागू होने पर बीज आपूर्ति प्रणाली बड़े कॉर्पोरेट के नियंत्रण में जा सकती है, फसल चक्र बाज़ार-हितों के अनुसार बदल जाएगा और जीविका-आधारित खेती प्रभावित होगी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह बिल कृषि को किसानों से दूर करने का प्रयास है।

विरोध में उपस्थित प्रमुख नेताओं में सोभनाथ कुशवाहा, इंद्रजीत सिंह, संतकुमार पटेल,फौजी यदुवंश प्रताप सिंह, अनिल मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह सहित कई किसान नेता शामिल रहे।

रीवा में 2500 का इनामी बदमाश गिरफ्तार, 4 महीने से था फरार; युवक को चाकू मारने और जानलेवा हमले का है आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिविल लाइन पुलिस ने रविवार देर रात हत्या के प्रयास के मामले में फरार 2500 रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ओमकार रजक पिछले लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था। उसके खिलाफ न्यायालय से पहले ही एक स्थाई वारंट और एक गिरफ्तारी वारंट जारी था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे दीनदयाल धाम कॉलोनी के पास से घेराबंदी कर पकड़ा।

यह मामला 14 अगस्त 2025 का है। ग्राम अमिलकी (थाना गोविंदगढ़) निवासी रामप्रसाद यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बेटे सूरज यादव के साथ आरोपी लकी साकेत, लवी, ओमकार रजक और उनके साथियों ने जान से मारने की नीयत से मारपीट की थी। आरोपियों ने चाकू और लात-घूंसों से हमला किया था, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

दो आरोपी पहले ही हो चुके गिरफ्तार: शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाने में बीएनएस (ब्नहस्) की धारा 296, 115(2), 109(1), 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पुलिस इस मामले में मुख्य आरोपी लकी उर्फ शिवम साकेत और मोनू कुशवाहा को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि ओमकार और अन्य साथी घटना के बाद से फरार चल रहे थे।

पुलिस को देख भागने लगा, घेराबंदी कर दबोचा: 7 दिसंबर 2025 को पुलिस को सूचना मिली कि फरार आरोपी ओमकार रजक दीनदयाल धाम कॉलोनी के पास देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को अपनी ओर आता देख आरोपी भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम ओमकार रजक (25) पिता सुरेंद्र रजक निवासी दीनदयाल धाम कॉलोनी, पड़रा बताया।

तीन मामलों में वांछित था आरोपी: पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ मारपीट के दो अन्य मामलों में पहले से ही एक स्थायी वारंट और एक गिरफ्तारी वारंट जारी था। तीनों मामलों में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस न्यायालय में पेश कर रही है। वहीं, मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

नौकरी का झांसा देकर युवती से गंभीर व्यवहार, आरोपी मैनेजर पर एफआईआर; पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवती के साथ गंभीर व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मैनेजर के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवती ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपी ने उसे नौकरी दिलाने का भरोसा देकर मिलने के लिए बुलाया था। भरोसा कर युवती आरोपी द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंची, जहां उसके साथ गलत व्यवहार किया गया। घटना के बाद वह मानसिक रूप से आहत हो गई और तत्काल विश्वविद्यालय थाने पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी। इस मामले में विश्वविद्यालय थाना प्रभारी हितेंद्रनाथ शर्मा ने बताया कि युवती की शिकायत के आधार पर आरोपी मैनेजर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आरोपी की भूमिका को लेकर साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और पूछताछ की प्रक्रिया जारी है।

जांच में तथ्य सामने आने पर करेंगे कार्रवाई: पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले को पूरी गंभीरता से लिया गया है और जांच निष्पक्ष तरीके से की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नौकरी दिलाने के नाम पर युवतियों को फंसाकर इस तरह की घटनाएं सामने आना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने ऐसे मामलों में आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस बोली- नौकरी के नाम पर सतर्कता जरुरी: पुलिस ने आमजन, विशेषकर युवतियों से अपील की है कि नौकरी या किसी भी काम के नाम पर बुलाए जाने से पहले सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर की लापरवाही से बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था, सिविल अस्पताल में लगा ग्रहण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला मुख्यालय से 100 किमी दूरी पर स्थित सिविल अस्पताल त्योंथर की स्थिति इन दिनों बदहाल होती जा रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं पर लगा ग्रहण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय लोगों और मरीजों का आरोप है कि अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था और गिरती सेवाओं के पीछे ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) की लगातार लापरवाही और मुख्यालय पर न रहना प्रमुख कारण है। परिणामस्वरूप, अस्पताल मरीजों के लिए इलाज का केंद्र कम और परेशानी का केंद्र अधिक बन चुका है। अस्पताल में सुबह से ही सैकड़ों मरीज पहुँचते हैं, लेकिन उनके स्वागत में अव्यवस्थित ओपीडी, गाइडेंस के लिए किसी कर्मी की अनुपस्थिति और डॉक्टरों की टीम की स्वयं की क्लिनिक पर ध्यान देना और शासकीय अस्पताल में ध्यान न देना जैसी समस्याएँ खड़ी मिलती हैं।

शराब दुकान पर मारपीट, ओवररेटिंग का विरोध करने पर युवक को पीटा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के डभौरा क्षेत्र की कंपोजिट मदिरा दुकान पर रविवार रात गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। शराब खरीदने पहुंचे एक युवक ने जब तय कीमत से ज्यादा दाम (ओवररेटिंग) का विरोध किया, तो दुकान के कर्मचारियों ने उसके साथ मारपीट कर दी। युवक ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, जिससे नाराज होकर दुकानदार ने गालियां दीं और उसे पीटा। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। पीड़ित युवक ने बताया कि जब उसने शराब की कीमत पूछी, तो उसे शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक रेट बताया गया। उसने इस ओवररेटिंग का विरोध किया और सबूत के लिए मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। यह देख दुकान के अंदर मौजूद दुकानदार आगबबूला हो गया। आरोपी ने युवक को मां-बहन की गालियां दीं और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

जिला स्वास्थ्य समिति का गठन, अब स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर होगा फोकस

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जिला स्वास्थ्य समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने सोमवार दोपहर एक प्रेस वार्ता में इसकी आधिकारिक घोषणा की। कलेक्टर ने बताया कि नए जिले के गठन के बाद से जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति का गठन लंबित था। अब अध्यक्ष और सदस्यों सहित पूरी टीम का निर्धारण कर दिया गया है। यह समिति स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी करेगी, जिसमें अस्पतालों की सेवा गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति और मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं शामिल हैं। संजय जैन ने कहा कि समिति का लक्ष्य जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को उच्च स्तर पर ले जाना और आम जनता को बेहतर, सुगम तथा गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि यह समिति अस्पतालों में व्याप्त अव्यवस्थाओं को दूर करने, योजनाओं का लाभ आमजन तक समय पर पहुंचाने और स्वास्थ्य सुविधाओं को अद्यतन करने पर विशेष ध्यान देगी। कलेक्टर ने यह भी बताया कि जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति के अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग की एक संयुक्त समिति का भी गठन किया गया है। यह समिति हर माह बैठक कर पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेगी और आवश्यक कार्ययोजना बनाएगी। जिला स्वास्थ्य समिति के सक्रिय होने से मऊगंज जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद है। इस कदम को स्थानीय निवासियों को बेहतर इलाज, समय पर दवाएं और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अचानक ब्रेक से महिला सड़क पर गिरी, सिर पर आई चोट; रीवा अस्पताल रेफर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। थाना क्षेत्र के डगडौआ गांव के पास रविवार को सड़क हादसे में माया विश्वकर्मा (55) घायल हो गईं। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रीवा रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, माया विश्वकर्मा अपने पति सुरेश विश्वकर्मा के साथ नईगढ़ी थाना क्षेत्र के चमढिया गांव जा रही थीं। बमुरिहा इंद्रदत्त निवासी यह दंपती नियमित रूप से इसी रास्ते से आते-जाते थे। रविवार शाम करीब 5 बजे डगडौआ गांव के पास उनकी बाइक के सामने अचानक एक वाहन आ गया। इसे देखकर पति ने तेज ब्रेक लगा दिया। ब्रेक लगते ही बाइक पर पीछे बैठी माया विश्वकर्मा असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़ीं।

महिला को सिर पर आई चोट: इस हादसे में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं और शरीर के कई हिस्सों से खून बहने लगा। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत मदद की और परिजनों को सूचना दी। घायल महिला को तत्काल सिविल अस्पताल मऊगंज पहुंचाया गया। मऊगंज अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक इलाज किया। हालांकि, सिर में गंभीर चोट और उनकी बिगड़ती स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल, रीवा रेफर कर दिया गया। परिजन उन्हें लेकर रीवा के लिए रवाना हो गए हैं। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित परिवार की एसपी से गुहार, हत्या के फरार आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में एक हत्या प्रकरण के पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। परिवार ने फरार आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और लगातार मिल रही धमकियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम कोन निवासी सोहनलाल कुशवाहा ने बताया कि 30 सितंबर 2025 को आरोपी शिरवेन्द्र कुमार पाठक और उसके परिजनों ने उनके पिता छोटेलाल कुशवाहा, चचेरे भाई कृष्णा कुशवाहा सहित परिवार के अन्य सदस्यों पर लाठी-डंडों और टांगे से हमला किया था। इस हमले में छोटेलाल कुशवाहा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। छोटेलाल कुशवाहा को पहले हनुमना, फिर मिनर्वा अस्पताल और बाद में संजय गांधी चिकित्सालय रीवा ले जाया गया। 7 अक्टूबर की रात उनकी मौत हो गई।

पुलिस की पकड़ से दूर शिरवेन्द्र पाठक: प्रार्थी सोहनलाल कुशवाहा के अनुसार, मुख्य आरोपी शिरवेन्द्र पाठक अभी भी फरार है। वहीं, 5 दिसंबर की शाम आरोपी के चाचा अखिलेश पाठक और रिश्तेदार उमाकांत पाठक ने उनके घर पहुंचकर समझौता करने का दबाव डाला और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि आरोपी पक्ष लगातार धमकी दे रहा है कि 'जिसने भी अदालत में गवाही दी, उसका अंजाम छोटेलाल जैसा होगा।' शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2005 में भी प्रार्थी के चाचा रामकरण कुशवाहा की हत्या इसी आरोपी परिवार के सदस्यों द्वारा की गई थी, जिस पर हत्या का प्रकरण दर्ज हुआ था।

पढ़ाई के लिए पलायन कर रहे मऊगंज के बच्चे

रीवा सांसद ने लोकसभा में उठाया मुद्दा, केंद्रीय-नवोदय विद्यालय खोलने की मांग

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने मऊगंज जिले में केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय की स्थापना की मांग लोकसभा में उठाई। उन्होंने शून्यकाल के दौरान जिले में अच्छे शिक्षा संस्थानों की कमी का मुद्दा उठाया। सांसद मिश्रा ने सदन में कहा कि मऊगंज के बच्चों के लिए कोई श्रेष्ठ विद्यालय नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा के अभाव में यहां के बच्चे पीछे न रह जाएं, इसलिए इन विद्यालयों की स्थापना जरुरी है।

बच्चों के लिए शिक्षा लेना बना चुनौती: सांसद मिश्रा ने सदन को मऊगंज जिले की भौगोलिक स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र पहाड़ी और जंगल क्षेत्र से घिरा है, जहां दूरदराज के ग्रामीण और जनजातीय बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा लेना एक बड़ी चुनौती है। जिले में केंद्रीय या नवोदय विद्यालय न होने के कारण हजारों छात्रों को रीवा, सतना और दूसरे शहरों में पलायन करना पड़ता है। इससे माता-पिता पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और बच्चों की शिक्षा में रुकावट होती है।

राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान खोले जाएं: सांसद ने शिक्षा मंत्री से निवेदन किया कि मऊगंज क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यहां राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान खोले जाएं। उन्होंने कहा, 'मऊगंज जिले की आबादी पहाड़ी व जंगली इलाके में निवास करती है। यहां अच्छे विद्यालयों की बहुत जरूरत है। अत: मंत्री जी कृपया एक नवोदय विद्यालय और एक केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की स्वीकृति प्रदान करें।'

सांसद मिश्रा की इस मांग को सदन में गंभीरता से सुना गया। कई सदस्यों और मंत्री ने इस मुद्दे पर ध्यान दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि लोकसभा में यह मुद्दा उठने से मऊगंज में केंद्रीय शिक्षण संस्थानों की स्थापना की संभावनाएं बढ़ गई हैं। यदि केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को मंजूरी देती है, तो मऊगंज जिले को पहली बार दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान—केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय—मिलेंगे। इससे जिले के शैक्षिक स्तर में महत्वपूर्ण सुधार आने की उम्मीद है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।